हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 254 बेमेतरा, शनिवार 09 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

समाचार सार

स्विगी का इंस्टामार्ट की तेज ग्रोथ से बढ़ी कमाई

नईदिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में उसका घाटा घटकर 800 करोड़ रह गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 1,081 करोड़ था। कंपनी के क्विक कॉमर्स कारोबार इंस्टामार्ट में लगातार ग्रोथ के चलते घाटे में कमी आई। कंपनी की आय बढ़कर 6,383 करोड़ हो गई। पिछली तिमाही में स्विगी ने 1,065 करोड़ का घाटा दर्ज किया था। स्विगी ने कहा कि उसके फूड डिलीवरी बिजनेस ने पिछले 15 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की।

चीनी युआन के बढ़ते प्रभाव ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता

नईदिल्ली। अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी का दर्जा देने के लिए एक प्रस्ताव फिर से पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि चीन, युआन के आस-पास एक दूसरी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बनाने की कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सीनेटर्स के इस समूह में दोनों दलों के सांसद शामिल हैं। टेड बड और जीन शाहीन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है। कि युआन को अंतरराष्ट्रीय बनाने की बीजिंग की कोशिश से अमेरिका और उसके साथियों के लिए आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा है।

टाटा संस की लिस्टिंग बैठक 16 मई तक टाली

नईदिल्ली। टाटा संस के मुख्य शेयरधारक सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने अपनी बोर्ड बैठकें 16 मई तक के लिए स्थगित कर दी हैं। इन बैठकों को गवर्नेंस और कानूनी मुद्दों से जुड़ी चुनौतियों के कारण टाला गया है। ये बैठकें मूल रूप से 8 मई को निर्धारित थीं, जिनमें टाटा संस बोर्ड में ट्रस्टों के प्रतिनिधित्व की समीक्षा होनी थी। सूत्रों के अनुसार, कुछ ट्रस्टी जिन्हें पहले ही निर्धारित बैठक में शामिल होना था, उन्हें बैठक शुरू होने से ठीक पहले रद्द होने की सूचना दी गई। बैठकें पहले 12 मई को भी निर्धारित की गई थीं, लेकिन बाद में स्थगित कर दी गई।

सेंसेक्स 516 अंक टूटा निफ्टी 24,176 पर बंद

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट लेकर लाल निशान पर बंद हुए। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 516 अंक फिसल गया, जबकि निफ्टी-50 150 अंक टूटकर 24,176 पर बंद हुआ। ग्लोबल बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर घरेलू बाजार पर देखने को मिला। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 77,631 के स्तर पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान इस इंडेक्स ने 77,647.44 के हाई और 77,146.43 के लो रेंज में ट्रेड किया।

आज बंगाल में शुभेंदु और तमिलनाडु में विजय बनेंगे मुख्यमंत्री

बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे शुभेंदु अधिकारी भाजपा विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया गया है। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे।

बैठक के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेंदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद उपस्थित सभी भाजपा विधायकों से सहमति ली गई, जिसके बाद उनके नाम पर अमित शाह ने औपचारिक मुहर लगाई। अमित शाह ने बैठक के बाद कहा हाल ही में चुनाव प्रक्रिया पूरी हुई है और लगभग आठ प्रस्ताव और समर्थन प्राप्त हुए। ये सभी एक ही नाम के लिए थे। दूसरे नाम के लिए भी सभी को समय दिया गया, लेकिन दूसरा नाम सामने नहीं आया। इसलिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मैं शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल विधान मंडल दल के नेता के रूप में निर्वाचित घोषित करता हूं। बैठक से पहले अमित शाह ने कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर काली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मंदिर में दर्शन के बाद शाह सीधे पार्टी नेताओं के साथ अहम बैठकों में शामिल हुए, जहां सरकार गठन और शपथ

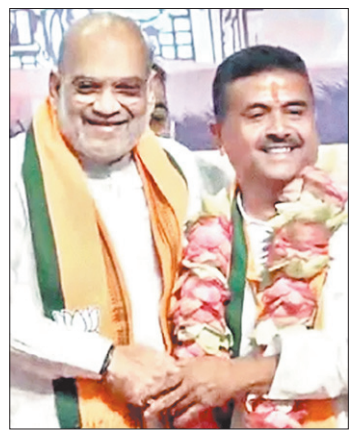

ग्रहण समारोह को लेकर चर्चा की गई।

कैबिनेट गठन पर भी होगी चर्चा

सूत्रों के मुताबिक, विधायक दल की बैठक से पहले अमित शाह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ सरकार गठन के हर पहलू पर चर्चा करेंगे। इसमें नए मंत्रिमंडल की संरचना, प्रमुख विभागों का बंटवारा और सरकार की प्राथमिकताओं पर मंथन किया जाएगा। भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जबकि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है।

कोलकाता का ब्रिगेड ग्राउंड तैयार: शपथ ग्रहण समारोह होगा खास

कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन को लेकर पार्टी इसे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजन के रूप में पेश करने की तैयारी में है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

शाह ने बताया अगली सरकार का एजेंडा

अमित शाह ने कहा केंद्र सरकार की ओर से 'सोनार बांग्ला' का सपना लंबे समय से देखा जा रहा है और इसके लिए भारत सरकार लगातार पश्चिम बंगाल के विकास में कई प्रयास करती रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए राज्य सरकार ने कई विकास कार्यों में रुकावटें डाली। उन्होंने आगे कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है, अब ऊपर भी ऊपर भी भाजपा है, नीचे भी भाजपा हैं।

गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता

विजय आज 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

बहुमत के लिए जुटाया समर्थन, कांग्रेस और वाम दलों का साथ

नई दिल्ली (ए)। तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। आज सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय शुक्रवार को तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय

कम्युनिस्ट पार्टी , वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (CPI-M) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है।

इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर TVK सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि CPI ने स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन के नाम पर सशर्त समर्थन दिया। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है। चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 11 मई से गर्मी की छुट्टियां

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों का एलान कर दिया है। निदेशालय द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, सभी सरकारी स्कूलों में 11 मई से 30 जून तक गर्मी की छुट्टियां रहेंगी। इसके साथ ही नौवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए विशेष उपचारात्मक कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इन कक्षाओं का उद्देश्य छात्रों की पढ़ाई में कमजोर विषयों को मजबूत करना और उनके सीखने के स्तर में सुधार करना है। उपचारात्मक कक्षाएं 11 मई से 23 मई तक चलेंगी। ये कक्षाएं सुबह 7:30 बजे से 10:30 बजे तक आयोजित होंगी। शिक्षकों को सुबह 7:20 बजे से 11 बजे तक स्कूल में उपस्थित रहना होगा।

एअर इंडिया सीईओ ने दिए खर्चों में कटौती के सख्त निर्देश

कर्मचारियों के लिए छंटनी का कोई खतरा नहीं

नई दिल्ली (ए)। देश के प्रमुख विमानन ब्रांड एअर इंडिया ने अपने मौजूदा वित्तीय संकट से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कंपनी प्रबंधन ने एक ओर जहां वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं, वहीं दूसरी ओर अपने कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा का ठोस भरोसा भी दिलाया है। यह कदम बताता है कि एयरलाइन बिना अपनी वर्कफोर्स को प्रभावित किए, खर्चों को कम करके अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने कंपनी में चल रहे वित्तीय संकट के मद्देनजर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से गैर-जरूरी खर्चों को निलंबित कर दें और भविष्य के अनावश्यक खर्चों को भी फिलहाल टाल दें। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए विल्सन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कंपनी का पूरा ध्यान अब किसी भी तरह की बर्बादी और धन के रिसाव को खत्म करने पर होना चाहिए।

पुलिस सेवा में धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

बीजिंग। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि पुलिस जैसी सार्वजनिक सेवा को किसी भी तरह से धोखाधड़ी का साधन नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने झारखंड पुलिस के एक कांस्टेबल की बर्खास्तगी को बरकरार रखते हुए सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विभागीय जांच में यदि पर्याप्त और विश्वसनीय सबूत हों, तो उसे केवल औपचारिकताओं के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को सेवा में बनाए रखना संस्थागत अनुशासन और जनता के विश्वास के लिए हानिकारक है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह मामला सिर्फ विभागीय गलती नहीं बल्कि गंभीर धोखाधड़ी से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में न केवल अनुशासनात्मक कार्रवाई सही है, बल्कि आपराधिक जांच भी जरूरी है।

बिहार में तेज बारिश और आंधी से भीषण तबाही सात लोगों की मौत, सीएम ने जताया दु:ख

पटना (ए)। राजधानी पटना में तेज बारिश और आंधी से भीषण तबाही मचाई। कई जगह अब भी जाम की स्थिति बनी हुई है। आलम यह है कि पूरे पटना की लगभग सभी सड़कें जाम हैं और उन सड़कों प[आर गाड़ियों की रफ़्तार पर ब्रेक लग गया है। वहीं पटना में पेड़ के नीचे पांच लोग दब गए, जिसमें एक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के यारपुर निवासी गुड्डू राम के पुत्र अभय कुमार (24) के रूप में की गई है।

मीट खरीदने निकला था घर से

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अभय मीट खरीदने जा रहा था। तभी आंधी के साथ तेज बारिश होने लगी। बारिश और आंधी शुरू होते ही वह सामने फ़ास्ट फूड की दूकान में चला गया। आंधी इतनी जबर्दस्त थी कि वह जिस फूटकर दूकान में भींगने से बच रहा था उसी दूकान के पीछे स्थित एक विशाल पेड़ गिर गया। पेड़ के गिरने से न सिर्फ फास्ट फूड की

दूकान क्षतिग्रस्त हो गई, बल्कि सड़क के उस पार तक के दूकान को तहस-नहस कर दिया। पूरा का पूरा सड़क भी जाम हो गया।

चार लोगों को सकुशल बाहर निकाला

पेड़ गिरते ही आसपास के लोग चीखने-चिल्लाने लगे। वहीं एक दुकानदार दौड़ते हुए गर्दनीबाग थाना पहुंचा और पेड़ के नीचे पांच लोगों के दबने की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही गर्दनीबाग थाना कि पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद चार लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक शख्स की मौत हो गई। हालांकि उसे पास के निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच मुनाफावसूली हावी, सर्राफा बाजार में टूटे सोने-चांदी के दाम

नई दिल्ली (ए)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ताजा सैन्य हलचल का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। हालांकि, इन तनावपूर्ण स्थितियों के बीच शुक्रवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में एक अलग ही रुख देखने को मिला। निवेशकों द्वारा ऊंचे स्तरों पर की गई भारी मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतों में नरमी दर्ज की गई है। यह स्थिति तब पैदा हुई है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और कूटनीतिक शांति की उम्मीदें लगातार कमजोर पड़ रही हैं।

स्थानीय बाजार में सोने और चांदी के दाम गिरे- अखिल भारतीय सर्राफा संघ की ओर से जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली के स्थानीय बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 100 रुपये गिरकर 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। इसके पिछले कारोबारी सत्र में यह

कीमत 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) थी। इसी तरह, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी गुरुवार के 1,55,200 रुपये से फिसलकर 1,55,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। सफेद धातु यानी चांदी की बात करें तो लगातार चार दिनों की शानदार तेजी के बाद इसमें भी गिरावट का रुख रहा।

चांदी की कीमत 2,61,500 रुपये प्रति किलोग्राम के पिछले बंद भाव से गिरकर 2,61,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। गौरतलब है कि गुरुवार के सत्र में चांदी की कीमतों में 7,000 रुपये प्रति किलोग्राम का भारी उछाल आया था, जिसके बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली का सुरक्षित रास्ता चुना।

गिरावट के कारण और विशेषज्ञों की राय- इस व्यावसायिक परिदृश्य और कीमतों में आई नरमी को स्पष्ट करते हुए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटीज विश्लेषक मानव मोदी ने बताया कि पिछले सत्र की तेज रैली के बाद सोने की कीमतों में यह मुनाफावसूली स्वाभाविक थी।

भारत-पाक संघर्ष में चीन का कबूलनामा: नापाक साजिशों में दिया था साथ

बीजिंग ने ऑन-साइट सैन्य सपोर्ट की मानी बात

बीजिंग (ए)। चीन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने पिछले साल भारत के साथ चार दिवसीय संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को ऑन-साइट तकनीकी सहायता प्रदान की थी। यह खुलासा चीनी सरकारी मीडिया रिपोर्टों में सामने आया है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस शुरू हो गई है। चीन के राज्य प्रसारक CCTV ने गुरुवार को एक इंटरव्यू प्रसारित किया, जिसमें एयरोस्पेस इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ऑफ चाइना (AVIC) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने इस दौरान पाकिस्तान को दी गई सहायता का जिक्र किया।

पाकिस्तान को चीनी लड़ाकू विमानों का समर्थन- रिपोर्ट के अनुसार, झांग हेंग ने कहा कि उन्होंने पिछले साल मई में चार दिवसीय युद्ध के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। पाकिस्तान की वायुसेना के पास चीन में निर्मित J-10C E फाइटर जेट्स का बेड़ा मौजूद है, जिन्हें AVIC की एक सहायक कंपनी द्वारा विकसित किया गया है।

युद्ध जैसी परिस्थितियों का किया सामना- सीसीटीवी को दिए गए बयान में झांग हेंग ने बताया कि सपोर्ट बेस पर हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने कहा कि लगातार फाइटर जेट्स की आवाज और एयर-रेड सायरन के बीच काम करना मानसिक और शारीरिक रूप से काफी कठिन था। उन्होंने यह भी कहा कि वहां का तापमान मई के महीने में ही 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, जिससे स्थिति और भी कठिन हो गई थी।

तकनीकी सहयोग और साझेदारी पर जोर- झांग ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि उपकरण अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करें और बेहतर प्रदर्शन दें। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ J-10CE विमान की क्षमता का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक मजबूत कार्य संबंध और साझेदारी का भी प्रतीक था, जो उनके सहयोग के दौरान विकसित हुआ।

रायपुर पहुंची आरसीबी की टीम, 10 मई को मुकाबला

रायपुर को 10 साल बाद आईपीएल मैचों की मेजबानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में IPL 2026 के दो मैच होने वाले हैं, जिसके लिए RCB की टीम आज रायपुर पहुंच गई है। विराट कोहली के साथ ही अन्य खिलाड़ियों का रायपुर एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया।

एयरपोर्ट से RCB की टीम मायरा रिसॉर्ट के लिए रवाना हो गई है। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम देखने को मिले। बता दें कि रायपुर को 10 साल बाद आईपीएल मैचों की मेजबानी मिली है. शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में मैचों को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. राजधानी सेलिब्रिटीज से लेकर क्रिकेट फैंस के तैयार है.

रविवार यानी 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा. इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली के फैंस देखने पहुंचेंगे. वहीं बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और रोहित शर्मा की पत्नी रितिका पहुंच सकती हैं. इसके अलावा मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी को स्पोर्ट करने के लिए अंबानी परिवार के पहुंचने के आसार हैं. बॉलीवुड हस्तियां भी मैच देखने आ सकती हैं. वहीं सुरक्षा को लेकर पुलिस ने कड़े इंतजाम किए हैं.

सुरक्षा को लेकर पुलिस ने किए कड़े इंतजाम - राजधानी में एक ओर जहां क्रिकेट फैंस 10 और 13 मई को होने वाले मैच के लिए उत्साहित हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर कड़े इंतजाम किए हैं.

मुख्य सचिव विकासशील ने हाईलेवल मीटिंग ली थी, जिसके बाद से सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी गई है।

आईपीएल के रोमांच की आड़ में चांपा में सट्टे का ज़हर, पुलिस की चुप्पी से बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी

चांपा बना सट्टे का गढ़, साइबर और चांपा थाना की कार्रवाई के नाम पर बोहनी तक नहीं

सट्टेबाजों को खुली छूट! थाना बोले–साइबर देख लो, साइबर बोले–थाना सेट कर लो

चांपा/मूक पत्रिका

आईपीएल मैच पूरे देश में उत्साह और रोमांच का पर्व बन चुका है। हर दिन करोड़ों लोग मैच का आनंद ले रहे हैं, लेकिन इसी आईपीएल की आड़ में चांपा शहर में एक पूरी पीढ़ी को तबाह करने वाला सट्टा बाज़ार चरम पर पहुंच चुका है। यहां क्रिकेट का जुनून नहीं, बल्कि पैसा दोगुना करने का लालच युवाओं को सट्टे की दलदल में धकेल रहा है।

सूत्रों के अनुसार चांपा में आईपीएल मैचों के दौरान रोजाना लाखों से करोड़ों रुपये का सट्टा खुलेआम लगाया जा रहा है। मोबाइल, व्हाट्सएप, ऑनलाइन ऐप और कॉल के जरिए सट्टेबाजी का जाल पूरे शहर में फैला हुआ है। हालात यह हैं कि कई युवा अपनी जमा पूंजी, पढ़ाई का खर्च और यहां तक कि कर्ज लेकर सट्टे में पैसा झोंक रहे हैं और बर्बादी की ओर बढ़ रहे हैं।पुलिस की कार्रवाई शून्य, सट्टेबाज बेखौफ- सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि साइबर टीम ने आज तक न तो एक भी सट्टा पकड़ा है और न ही किसी जुए के बड़े फड़ पर कार्रवाई की है।

वहीं जांजगीर-चांपा जिले में चांपा शहर को आईपीएल सट्टे का गढ़ माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद एक भी सट्टा प्रकरण दर्ज नहीं होना चांपा पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है।आईपीएल पूरे शबाब पर है, रोजाना दांव लग रहे हैं, लेकिन चांपा पुलिस के खाते में कार्रवाई पूरी तरह शून्य बनी हुई है। न छापेमारी, न गिरफ्तारी, न ही कोई ठोस कार्रवाई–मानो पुलिस ने आंखें मूंद ली हों।एसपी के ट्रेनिंग पर जाते ही बढ़ी सट्टेबाजों की मौज - सूत्रों का दावा है कि पुराने एसपी विजय पांडे के हैदराबाद ट्रेनिंग पर जाने के बाद जिले में पुलिस और सटोरियों की मौज हो गई है। सट्टे का कारोबार खुलेआम पुलिस-सटोरिया सेटिंग के दम पर फल-फूल रहा है। नए प्रभारी एसपी के आने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। ना सख्ती दिख रही है, ना ही कोई इच्छाशक्ति।थाना और साइबर सेल के बीच सेटिंग का खेल - सूत्रों से यह भी सनसनीखेज जानकारी सामने आई है कि यदि किसी सटोरिये की चांपा थाने से सेटिंग हो जाती है, तो उसे कहा जाता है– ÷हम कार्रवाई नहीं करेंगे, लेकिन साइबर टीम को देख लो।÷वहीं अगर साइबर टीम से सेटिंग होती है, तो सटोरियों को यह संदेश दिया जाता है–÷थाने को सेट कर लो, नहीं हुआ तो हम करवा देंगे।÷इस आपसी सेटिंग के खेल में कानून मज़ाक बनकर रह गया है, और सट्टेबाज बेखौफ होकर रोजाना करोड़ों का खेल चला रहे हैं।युवा पीढ़ी बर्बादी की ओर - इस पूरे खेल में सबसे बड़ा नुकसान युवा पीढ़ी का हो रहा है। रोजाना युवा सट्टे में पैसा हार रहे हैं, मानसिक तनाव, कर्ज और अपराध की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों को इसकी कोई परवाह नहीं।अब सवाल यह है कि क्या पुलिस कभी इस खुले सट्टा नेटवर्क पर कार्रवाई करेगी? या फिर आईपीएल के साथ-साथ सट्टेबाजों का खेल भी यूं ही चलता रहेगा? चांपा की जनता अब जवाब चाहती है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल चांपा में कक्षा पहली के प्रवेश की तिथि बढ़ी, 13 मई को लॉटरीं

चांपा। स्वामी आत्मानंद विद्यालय चांपा में प्रवेश तिथि बढ़ी, 13 मई को होगी लॉटरी प्रक्रिया

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, चांपा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा पहली (अंग्रेजी माध्यम) की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि पहले 5 मई 2026 निर्धारित थी। शासन के निर्देशानुसार अब आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 मई 2026 कर दी गई है। जिन अभिभावकों ने अभी तक अपने बच्चों के प्रवेश हेतु आवेदन नहीं किया है, वे निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और पात्र अभ्यर्थियों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। लॉटरी प्रक्रिया 13 मई 2026 को प्रातः 10 बजे विद्यालय परिसर में अभिभावकों की उपस्थिति में संपन्न होगी। लॉटरी में चयनित विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश की प्रक्रिया 14 मई से 20 मई 2026 तक विद्यालय परिसर में की जाएगी। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथियों में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।

ग्राम दुरधा पहुंचे एसडीएम और जनपद सीईओ, बस्तर मुन्ने सैचुरेशन शिविर का लिया जायजा

बीजापुर/मूक पत्रिका

ग्राम दुरधा में आयोजित बस्तर मुन्ने सैचुरेशन शिविर का शुक्रवार को एसडीएम बीजापुर श्री जागेश्वर कौशल और जनपद पंचायत सीईओ श्री हिमांशु साहू ने निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कर्मचारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए शिविरों में गंभीरता और सक्रियता के साथ काम किया जाए।इस दौरान एसडीएम और जनपद सीईओ ने क्षेत्र के तेंदूपत्ता संग्राहकों से भी मुलाकात की। अधिकारियों ने संग्राहकों से तेंदूपत्ता खरीदी की स्थिति, भुगतान व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से अधिकारियों को अवगत कराया। प्रशासन द्वारा जिले के ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में लगातार शिविरों और निरीक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

नशीली गोलियों की तस्करी पड़ी भारी, दो आरोपियों को 15-15 साल की सजा

बीजापुर पुलिस की मजबूत विवेचना से हष्ठक्कर मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, दोनों पर 1-1 लाख का जुर्माना भी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 15-15 साल के कठोर कारावास और 1-1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला पुलिस की मजबूत विवेचना और ठोस साक्ष्यों के आधार पर आया।जानकारी के मुताबिक 9 नवंबर 2024 को थाना कोतवाली बीजापुर पुलिस ने महादेव घाटी मोड़ के पास कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल से नशीली गोलियों का परिवहन कर रहे रविन्द्र पुनेम और अंशु गोनेट को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दोनों के कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद की थीं।मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ग) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी और वैधानिक पहलुओं का पालन करते हुए मजबूत साक्ष्य जुटाए और न्यायालय में पेश किए। इसके आधार पर कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।बीजापुर पुलिस ने कहा है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही लोगों से नशे के खिलाफ जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की गई है।

कबाड़ माफियाओं पर रायगढ़ पुलिस का बड़ा एक्शन.. 27 टन अवैध स्क्रैप के साथ यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार..!

रायगढ़ /मूक पत्रिका

जिले में सक्रिय कबाड़ माफियाओं की अब खैर नहीं है। चोरी और अवैध कबाड़ के काले कारोबार की कमर तोड़ने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शशि मोहन सिंह के कड़े निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' ने अपराधियों की नींद उड़ा दी है। इसी कड़ी में थाना चक्रधरनगर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए जामगांव क्षेत्र में अवैध स्क्रैप से लदे दो भारी वाहनों को रंगे हाथों पकड़ा है। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 27 टन लोहे और टीन का कबाड़ जब्त किया है, जिसका सीधा कनेक्शन उत्तर प्रदेश के तस्करों से जुड़ा है।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया गया जाल

जानकारी के मुताबिक, चक्रधरनगर पुलिस को अपने विश्वस्त मुखबिर से सूचना मिली थी कि रायगढ़ की तरफ से दो माजदा वाहनों में भारी मात्रा में चोरी का कबाड़ भरकर जामगांव के रास्ते खपाने की तैयारी है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी (निरीक्षक) राकेश मिश्रा के नेतृत्व में तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने पूरी मुस्तैदी के साथ जामगांव के पास मोर्चा संभाला और घेराबंदी कर दी।

कुछ ही देर में मुखबिर के बताए अनुसार दो संदिग्ध माजदा वाहन (क्रमांक छत्त 04 क्क्ष 9120 और छत्त 10 क्क्त 0292) आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रोककर तलाशी ली, तो दोनों गाड़ियाँ लोहे और टीन के स्क्रैप से खचाखच भरी हुई मिलीं।

दस्तावेज नहीं दिखा पाए, तो हुए गिरफ्तार

पुलिस की पूछताछ में वाहन चालकों ने अपना नाम अरमान अहमद और रमजान खान बताया। दोनों मूल रूप से हमीरपुर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। जब पुलिस ने उनसे इस भारी-भरकम कबाड़ के परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे, तो वे बगलें झांकने लगे और कोई भी कागजात पेश नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने तुरंत दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

16 लाख से ज्यादा की संपत्ति जब्त

जब पुलिस ने वाहनों का वजन कराया, तो पहले वाहन में 12,780 किलो और दूसरे वाहन में 14,560 किलो स्क्रैप मिला। दोनों वाहनों से कुल मिलाकर लगभग 27 टन अवैध कबाड़ बरामद हुआ है। जब्त किए गए स्क्रैप की बाजार कीमत करीब 6 लाख 80 हजार रुपये आंकी गई है। वहीं, दोनों वाहनों को मिलाकर इस पूरी जब्ती की कुल कीमत 16 लाख 80 हजार रुपये के पार है। पुलिस ने नए कानूनों के तहत धारा 35(क)(ड) बीएनएसएस और 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसानों के साथ अत्याचार कर रही है भाजपा सरकार आशीष छाबड़ा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने राज्य की भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि किसान विरोधी भाजपा सरकार अब छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ अत्याचार करने पर तुल गई है भाजपा सरकार द्वारा पूर्व में सुनियोजित तरीके से धान खरीदना ना पड़े इसके लिए तरह-तरह के रोडे अटकाए गए फिर भी काम नहीं चला तो अब सरकार धान का उत्पादन ही ना हो सके इसलिए एक नया फरमान लेकर आई है सहकारी समिति के माध्यम से कृषकों को प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया यह प्रदान करने तथा उर्वरक विक्रय हेतु पी ओ एस मशीन के अनिवार्यता लागू करने तथा कृषक द्वारा एक माह में प्राप्त की जाने वाली अधिकतम मात्रा के संबंध में भी जो प्रावधान किया है वह किसानों के ऊपर कुठाराघात है भाजपा सरकार आज अपनी जिम्मेदारियां से बचना चाहती है और इसके लिए वह तरह-तरह के षड्यंत्र कर रही है अगर किसानों को उर्वरक और यूरिया की पहुंच ही नहीं हो पाएगी तो निश्चित रूप से इसका प्रभाव खेतों में पैदा होने वाली उपज पर पड़ेगा उत्पादन गिरेगा और यह सरकार यही चाहती है कि किसानों का उत्पादन गिरे जिससे भाजपा सरकार को धान ना, खरीदना पड़े और यह सरकार किसानों को देने वाले पैसों का उपयोग अपने खजाना भरने में कर सके कांग्रेस शुरू से कहती रही है कि भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है यह अमीर और पूंजी पतियों की सरकार है जिसे किसानों के सुख-दुख से कोई लेना-देना नहीं है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ने कहा कि शासन द्वारा जारी किए गए इसने आदेश का पुरजोर विरोध किया जाएगा सरकार को कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज बनकर सरकार को विवश करेगी की वह अपने इस तुगलकी की फरमान को वापस ले आवश्यकता पड़ेगी तो कांग्रेस इसके लिए सड़क की लड़ाई लड़ने को भी तैयार है

नशे की गिरफ्त में चांपा-सिवनी , कोडीन सिरप का काला कारोबार फल-फूल रहा, पुलिस प्रशासन की चुप्पी पर गंभीर सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

नगर में नशे का अवैध कारोबार जिस तेजी से विकराल रूप लेता जा रहा है, उसने कानून-व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। हैरानी की बात यह है कि इस घिनौने धंधे में पुलिस की कथित मिलीभगत अब कोई छिपा हुआ तथ्य नहीं रह गई है। आरोप है कि थाना स्तर पर कुछ पुलिसकर्मियों की संलिप्तता के चलते नशे का यह काला कारोबार बेखौफ होकर फल-फूल रहा है, जिससे पूरे पुलिस महकमे की साख दांव पर लग गई है।सुबह से देर रात तक नगर के अलग-अलग इलाकों में खुलेआम बिकते गांजा और नशीली दवाओं ने पूरे शहर को मानो जहरीली हवा में डुबो दिया है। युवा पीढ़ी इस नशे की गिरफ्त में फंसती जा रही है और आए दिन नशे में धुत युवक आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि नशे के गढ़ के रूप में कुख्यात सिवनी क्षेत्र अब पूरी तरह बदनामी का प्रतीक बन चुका है। यहां गलियों और चौराहों पर कोडीन सिरप की खुलेआम बिक्री आम बात हो गई है, और स्थानीय युवाओं का बड़ा वर्ग इसकी लत में जकड़ा हुआ है। बीते वर्ष पुलिस द्वारा कोडीन सिरप की बड़ी खेप जब्त किए जाने के बावजूद नशे का नेटवर्क टूट नहीं सकता। नतीजतन, नशे का कारोबार और अधिक संगठित होकर सामने आ रहा है।आखिर कहां से आ रहा कोडीन सिरप? - सबसे बड़ा सवाल यही है कि चांपा क्षेत्र में कोडीन सिरप की लगातार खेप आखिर कहां से आ रही है। इस पर न तो पुलिस के पास कोई स्पष्ट जवाब है और न ही ड्रग विभाग के अधिकारी सक्रिय नजर आते हैं। विभागीय उदासीनता और कथित संरक्षण के चलते तस्करों के हौसले बुलंद हैं और उनका नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि मौजूदा हालात में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बजाय जिम्मेदार अधिकारी केवल औपचारिकता निभा रहे हैं।कुल मिलाकर, जांजगीर-चांपा में नशे का यह बढ़ता जाल अब केवल अपराध का मामला नहीं रहा, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, जवाबदेही की कमी और कथित मिलीभगत का बड़ा एक्सपोज़ बन चुका है। यदि समय रहते ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो इसके दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतने पड़ेंगे।

खरीफसीजन की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

सेवा सहकारी समिति भरदा एवं मार्कफेड डबल लॉक केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आगामी खरीफ सीजन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आज साजा विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति भरदा एवं मार्कफेड डबल लॉक केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद-बीज की उपलब्धता, भंडारण क्षमता, वितरण व्यवस्था, पीओएस मशीन संचालन तथा किसानों को दी जा रही सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

खाद एवं बीज की उपलब्धता पर विशेष जोर, किसानों को समय पर मिले गुणवत्तायुक्त कृषि आदान सामग्री–निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदामों में रखे उर्वरकों एवं बीजों के स्टॉक की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधन को निर्देशित किया कि यूरिया, डीएपी, एनपीके सहित सभी प्रकार के उर्वरकों तथा प्रमाणित बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने कहा कि कृषि कार्यों के दौरान खाद एवं बीज की मांग अचानक बढ़ जाती है, इसलिए अग्रिम भंडारण एवं सुव्यवस्थित वितरण व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप समय-समय पर स्टॉक का आकलन कर पर्याप्त मात्रा में सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

पीओएस मशीन से ही हो खाद वितरण, वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर उर्वरक वितरण के दिए निर्देश–कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि खाद का वितरण केवल पीओएस मशीन के माध्यम से ही किया जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित वैज्ञानिक अनुशंसा का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रणाली से वितरण होने पर पारदर्शिता बनी रहती है तथा वास्तविक किसानों तक सामग्री पहुंचाने में आसानी होती है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि खाद वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों से किया सीधा संवाद, समस्याएं सुनीं, समय पर खाद उठाव करने की अपील–निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। किसानों ने खाद उपलब्धता, वितरण प्रक्रिया तथा कृषि संबंधी आवश्यकताओं को लेकर जानकारी साझा की। कलेक्टर ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे समय पर खाद उठाव कर लें, ताकि आगामी कृषि कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण किए जा सकें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा किसानों को बिना किसी परेशानी के कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराना है तथा जिला प्रशासन किसानों की सुविधा के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है।

व्यवस्था पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश, किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देने कहा–कलेक्टर ने समिति प्रबंधन को निर्देशित किया कि वितरण केंद्रों में किसानों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, छायादार प्रतीक्षा स्थल तथा बैठने की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वितरण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाया जाए। साथ ही किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं एवं वैज्ञानिक खेती संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

प्रशासन किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध, खरीफसीजन में हर जरूरत पर रहेगी प्रशासन की नजर–कलेक्टर ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। खरीफ सीजन के दौरान सभी सहकारी समितियों एवं डबल लॉक केंद्रों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डडसेना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व साजा सुश्री पिंकी मनहर, सहायक संचालक कृषि डॉ. श्याम लाल साहू, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री दिनेश धुर्वे, समिति प्रबंधक, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

घरघोड़ा पुलिस के एक्शन पर सटोरिए का 'ओपन चैलेंज'! FIR में नाम आते जारी किया वीडियो, पुलिस गिरफ्त से बाहर आरोपी रच रहे अग्रिम जमानत का खेल?

मूक पत्रिका — प्रादेशिकी

समाजसेवी × सटोरिया को रायगढ़ पुलिस की खुली छूट
FIR मे नाम दर्ज होने के बाद भी नहीं हो रही गिरफ्तारी

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में 'ऑपरेशन अंकुश' के तहत ढ्ढक्क सट्टेबाजों पर पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में घरघोड़ा पुलिस ने सट्टेबाजी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो अलग-अलग स्नद्धक्र दर्ज की हैं, जिनमें रायगढ़ के जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार और करण चौधरी को मुख्य सरगना बताया गया है। लेकिन इस कार्रवाई के तुरंत बाद मामले ने एक बेहद नाटकीय मोड़ ले लिया है। स्नद्धक्र दर्ज होने के अगले ही दिन (27 अप्रैल) मुख्य आरोपी करण चौधरी ने राजस्थान के खाटू श्याम से एक वीडियो जारी कर सीधे पुलिस को 'ओपन चैलेंज' दे डाला है। वहीं, कड़े कानून के कारण दोनों मुख्य आरोपियों के भूमिगत (ठ्ठस्नद्दह्लद्दह्म्श्वह्वठ्ठस्न) होने और हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत (्ठ्ठल्लह्लष्द्बश्चड्डह्लश्चह्म्4 क्चड्डद्बद्य) की जुगाड़ में लगने की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

*घरघोड़ा थाने में ढ्ढक्क सट्टा खिलाने पर 2 बड़ी स्नद्धक्रदर्ज, गुड्डा सरदार और करण चौधरी पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का बड़ा सिंडिकेट चलाने का आरोप

स्नद्धक्र के अगले दिन (27 अप्रैल) आरोपी करण चौधरी ने खाटू श्याम से वीडियो जारी कर पुलिस को दिया सीधा चैलेंज

करण का दावा- ÷नक्सलियों की तरह 3 साल पहले ही छोड़ चुका हूं यह काम, 0.1त्न भी सबूत मिला तो खुद कर दूंगा सरेंडर÷

बेटे के मुंडन के लिए राजस्थान में होने की कही बात, ÷2 दिन में रायगढ़ लौटूंगा, मुझे जबरन न फंसाएं÷

ऑनलाइन सट्टेबाजी की धारा 7 (छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022) के तहत मामला दर्ज, सख्त कानून के चलते आरोपियों के हाई कोर्ट से बेल लेने की आशंका*

घरघोड़ा में दर्ज हुई दो स्नद्धक्र, खुला ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क

जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को घरघोड़ा पुलिस ने मुखबिर की पुख्ता सूचना पर दो अलग-अलग जगहों पर दबिश दी।पहली कार्रवाई (स्नद्धक्र ह्श. 0147) में पुलिस ने वार्ड नंबर 13 में दबिश देकर गौतम भोजवानी, लक्ष्मीनारायण सिदार और सागर गुप्ता को मोबाइल पर चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य) और गुजरात टाइटंस (त्रञ्ज) के मैच पर सट्टा खिलाते रंगे हाथ पकड़ा।वहीं दूसरी कार्रवाई (स्नद्धक्र ह्श. 0148) में नवापारा टेंडा के पास से भरत गोयल नामक सटोरिए को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ और मेमोरेंडम में इन सभी आरोपियों ने कबूल किया कि वे रायगढ़ के जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार और करण चौधरी के सीधे संपर्क में हैं और उन्हीं के इशारे पर व्हाट्सएप और कॉल्स के जरिए यह पूरा ऑनलाइन सट्टे का खेल चल रहा था। पुलिस ने गुड्डा सरदार और करण चौधरी के खिलाफ 'छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 7' और क्चहस् की धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नक्सलियों की तरह कर चुका हूं सरेंडर, 0.1त्न भी सबूत लाकर दिखाए पुलिस'

मामले में असली 'ट्विस्ट' 27 अप्रैल को आया, जब आरोपी करण चौधरी ने एक वीडियो जारी कर पुलिस के दावों पर सवाल खड़े कर दिए। वीडियो में करण चौधरी यह कहते हुए नजर आ रहा है कि घरघोड़ा पुलिस ने जिन 5-6 लोगों को पकड़ा है, उनके बयानों के आधार पर उसका नाम भी स्नद्धक्र में डाल दिया गया है।

पुलिस को चुनौती देते हुए करण ने वीडियो में कहा, ÷मैंने एसपी और सीएसपी महोदय से बात की है। मैं साफकहना चाहता हूं कि पिछले 3 साल का मेरा कोई भी रिकॉर्ड निकाल लीजिए। जिस तरह नक्सली सरेंडर करते हैं, वैसे ही मैंने 3 साल पहले यह काम छोड़ दिया था।

अगर पुलिस के पास मेरे खिलाफ 0.1त्न भी कोई सबूत है, तो मुझे बताएं, मैं खुद आकर सरेंडर कर दूंगा।÷ उसने यह भी बताया कि वह अभी बाबा खाटू श्याम (राजस्थान) की नगरी में अपने बेटे का मुंडन कराने आया है और दो दिन बाद रायगढ़ लौटेगा।

भूमिगत आरोपी और 'अग्रिम जमानत' का खेल

वीडियो में करण ने दो दिन में लौटने की बात कही थी, लेकिन फिलहाल गुड्डा सरदार और करण चौधरी दोनों ही पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। चूंकि पुलिस ने उनके खिलाफ 'छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 7' लगाई है। यह ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़ी एक बेहद सख्त श्रेणी की धारा है, जिसमें कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान है।?कानूनी जानकारों का मानना है कि पुलिस की पकड़ से दूर रहकर ये दोनों आरोपी इसी समय का फायदा उठा रहे हैं। सख्त कानून और गिरफ्तारी से बचने के लिए इस बात की पूरी संभावना है कि आरोपी 'अंडरग्राउंड' होकर सीधे बिलासपुर हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत की कोशिशों में लगे हुए हैं। ?अब रायगढ़ की जनता और सट्टा बाजार की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पुलिस अपने पुख्ता डिजिटल

खनिज विभाग के सह पर कटंगपाली के आश्रित ग्राम महुआपाली व नवघटा क्षेत्र मे चल रहा अवैध डोलोमाइट खदान

बरमकेला /कटंगपाली /मूक पत्रिका

अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन के लिए पिछले कुछ वर्षो से बदनाम कटंगपाली क्षेत्र इन दिनों फिर सुखियों में है।जमीन पर अवैध रूप से डोलोमाईट उत्खनन का है। इस मामले में मजेदार बात यह है कि खनिज विभाग की सरपरस्ती में यह खुला खेल चल रहा है। साल्हेओना व कटंगपाली क्षेत्र की पहचान खनिज ग्राम के रूप में है। स्वीकृत लीज से अधिक भूमि पर उत्खनन, डोलोमाईट के अवैध माइंस का संचालन और बिना रॉयल्टी के डोलोमाईट की ओडिशा तस्करी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। खासकर अवैध डोलोमाईट उत्खनन ने सिस्टम में अपनी जड़ें इतनी मजबूत कर ली है कि सामान्य तौर पर कार्यवाही और इस काले खेल पर प्रभावी अंकुश लगने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। यूं तो समय-समय पर कटंगपाली क्षेत्र में खनिज अमला दबिश देता है मगर यह कागजी खानापूर्ति के अलावा और कुछ नहीं है। पिछले कुछ समय से कटंगपाली में डोलोमाईट के कई अवैध माइंस चल रहे हैंकि इन काले कारनामों की खनिज विभाग को जानकारी नहीं है लेकिन जब खुद माइनिंग अमले की शह पर यह गोलमाल चल रहा है तो त्वरित एक्शन की गुंजाईश ही कहां बचती है। खनिज विभाग पर यदा-कदा दबाव बढ़ता है तो खनिज अमले के हुक्मरान अवैध डोलोमाईट माइंस के संचालकों को पहले ही ताकीद कर देते हैं और जब खनिज अमला घटना स्थल पहुंचता है तो वहां नील बटे सन्नाटा पसरा रहता है। कटंगपाली में इतने व्यापक पैमाने पर डोलोमाईट की अफरा-तफरी चल रही है और सारंगढ़ जिला प्रशासन बेसुध है।उत्खनन करने वाले खनिज विभाग में सलामी दे रहे? सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले मे खनिज विभाग मे इन दिनो अवैध उत्खनन करने वालो की भीड़ लगी रहती है।

यहा पर ऐसा नही है कि अवैध उत्खनन करने वालो को विभाग वाले नही जानते है किन्तु विशेष बात यह है कि अवैध उत्खनन करने वाले खुद आकर विभाग मे अवैध उत्खनन की सूचना देकर खुलकर मनमानी कर रहे है। खनिज विभाग के कार्यालय मे बकायदा खनन माफियाओ का आना-जाना है। ऐसे मे जब बात कार्यवाही की होती है तो पहले से ही मोबाईल पर पोकलैंड-जेसीबी-ट्रेक्टर को हटाने का संदेश दे दिया जाता है। ऐसे मे कार्यवाही होने पर मौके पर कुछ मिलने की संभावना तो होगी ही नही

नहीं मिल रही देशी और सस्ती शराब, भटक रहे शराब शौकीन, कई दिनों से बनी है समस्या, अधिकारी बोले- जल्द सुधरेगी व्यवस्था

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले की देशी और अंग्रेजी शराब दुकानों में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक नहीं पहुंच रही है। इसकी वजह से देशी, गोवा और कम कीमत वाली शराब पसंद करने वाले लोग अपनी मनपसंद शराब के लिए परेशान हो रहे हैं। यह समस्या कई दिनों से बनी हुई है, जिससे शराब खरीदने वालों को दिक्कत हो रही है। जिले में कुल 37 शराब दुकानें चल रही हैं। इनमें 2 प्रीमियम, 15 कंपोजिट, 9 देशी और 11 अंग्रेजी शराब दुकानें शामिल हैं। शहर में सबसे ज्यादा शराब बिक्री सिग्नल चौक, बड़पारा, पुराने सारंगढ़ बस स्टैंड, विजयपुर और पहाड़ मंदिर रोड की दुकानों में होती है। यहां सस्ती से लेकर महंगी तक हर तरह की शराब मिलती है। देशी शराब पीने वालों की संख्या भी काफी ज्यादा है, लेकिन अप्रैल महीने से देशी, गोवा और सस्ती शराब की क्वार्टर और हाफबोतलें पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच रही हैं। इस वजह से सस्ती शराब पसंद करने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उन्हें शराब के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान तक जाना पड़ रहा है।

कहीं बोतल तो कहीं महंगे क्वार्टर

बताया जा रहा है कि कई दुकानों में सिर्फ 600-700 रुपए से ज्यादा कीमत वाली शराब ही मिल रही है, जबकि कुछ जगहों पर महंगे क्वार्टर बिक रहे हैं। इससे देशी, गोवा और सस्ती शराब लेने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों को कई दुकानों के चक्कर लगाने के बाद मुश्किल से देशी शराब मिल रही है। वहीं कुछ लोग मजबूरी में महंगी शराब खरीद रहे हैं। बीयर की बात करें तो लोगों को अपनी पसंद की बीयर भी नहीं मिल पा रही है।

इधर-उधर भटक रहे लोग

शराब खरीदने आए मंतोष चौहान ने बताया कि उन्हें गोवा शराब चाहिए, लेकिन अभी वह नहीं मिल रही है। वह गोवा शराब लेने दुकान आए थे, लेकिन स्टॉक खत्म होने की वजह से अब दूसरी दुकान पर जाएंगे। वहीं अशोक ने कहा कि उन्हें सिर्फ दुकानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वह सादा और गोवा शराब लेने आए थे, लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं है

जल्द मनपसंद शराब मिलने लगेगा

जिला आबकारी अधिकारी क्रिस्टोफर खलखो ने बताया कि ऐसी स्थिति पूरे प्रदेश में है। नई पॉलिसी और प्लास्टिक बोतल के नए सिस्टम की वजह से सप्लाई में थोड़ी देरी हुई है। उन्होंने कहा कि एक-दो हफ्तों में व्यवस्था काफी हद तक ठीक हो जाएगी और लोगों को जल्द ही अपनी पसंद की शराब मिलने लगेगी।

सुशासन तिहार में प्रशासन व्यस्तञ्ज और तहसील में 'नशे में धुत' मिला चपरासी!' लैलूँगा तहसील में मचा हड़कंप, तहसीलदार ने भेजी निलंबन की अनुशंसा

लैलूंगा तहसील कार्यालय में शराबी कर्मचारी पर गिरी गाज, मेडिकल रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही तहसीलदार का एक्शन

लैलूंगा/मूक पत्रिका

एक तरफ पूरा प्रशासन सुशासन तिहार÷ के तहत जनता की समस्याएं सुनने और शिविरों में समाधान देने में जुटा हुआ थाञ्ज वहीं दूसरी तरफ लैलूंगा तहसील कार्यालय में ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने पूरे राजस्व महकमे में हलचल मचा दी।मामला तहसील कार्यालय लैलूंगा का है, जहां पदस्थ प्यून (चपरासी) अमिताभ मिंज कथित रूप से शराब के नशे में धुत पाया गया। बताया जा रहा है कि दिनांक 06/04/2026 को झगरपुर में सुशासन तिहार शिविर आयोजित था, जिसमें तहसील सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। शिविर समाप्त होने के बाद जब तहसीलदार उज्जवल पाण्डेय तहसील कार्यालय पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर नाराज हो उठे। सूत्रों के मुताबिक कार्यालय में मौजूद चपरासी अमिताभ मिंज की हालत संदिग्ध दिखाई दी। बातचीत और व्यवहार से नशे की स्थिति प्रतीत होने पर तत्काल मेडिकल परीक्षण करवाया गया। मेडिकल रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद तहसीलदार ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि तहसीलदार द्वारा पूरे मामले की लिखित रिपोर्ट तैयार कर राजस्व अधिकारी लैलूंगा एसडीएम भरत कौशिक को निलंबन की कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद तहसील कार्यालय में कर्मचारियों के बीच हड़कंप की स्थिति बन गई है।

÷जनता परेशानञ्ज और बाबू-चपरासी नशे में?÷ ग्रामीणों ने पहले भी लगाए थे आरोप-इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि स्थानीय ग्रामीणों ने भी लंबे समय से अमिताभ मिंज पर शराब के नशे में रहने के आरोप लगाए थे। ग्रामीणों का कहना है कि तहसील कार्यालय आने वाले कई लोग पहले भी उसके व्यवहार से परेशान हो चुके हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार कार्यालय में काम कराने पहुंचे लोगों को अव्यवस्थित माहौल का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालय अनुशासन का केंद्र होना चाहिए, लेकिन यदि वहां कर्मचारी ही नशे में मिलें तो आम जनता का भरोसा कैसे कायम रहेगा?क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर पहले शिकायतों के बावजूद निगरानी क्यों नहीं हुई? क्या विभाग को पहले से इसकी जानकारी थी? अगर थी तो कार्रवाई देर से क्यों हुई?

तहसीलदार उज्जवल पाण्डेय ने क्या **कहा?-तहसीलदार उज्जवल पाण्डेय ने पूरे मामले पर स्पष्ट शब्दों में कहा**—झगरपुर में सुशासन तिहार शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें लैलूंगा ब्लॉक के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी व्यस्त थे। शिविर समाप्ति के पश्चात जब मैं तहसील कार्यालय पहुंचा तो चपरासी अमिताभ मिंज नशे की स्थिति में मिला। तत्काल उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरे द्वारा निलंबन की कार्रवाई हेतु प्रकरण एसडीएम सर को प्रेषित किया गया है। तहसीलदार के इस बयान के बाद यह साफहो गया है कि प्रशासन इस मामले को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

सुशासन तिहार के बीच शराबी कर्मचारी ने बिगाड़ी छवि-राज्य सरकार जहां गांव-गांव जाकर ÷सुशासन÷ का संदेश देने में जुटी हुई है, वहीं ऐसे मामलों ने प्रशासनिक छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी दफ्तरों में अनुशासन नहीं रहेगा तो जनता का भरोसा कमजोर होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्व विभाग जैसे संवेदनशील विभाग में कर्मचारियों का आचरण बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यहां आम जनता सीधे अपने जमीन, नामांतरण, सीमांकन और प्रमाण पत्र जैसे जरूरी कामों के लिए पहुंचती है। ऐसे में यदि कर्मचारी शराब के नशे में पाए जाएं तो यह केवल व्यक्तिगत गलती नहीं बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की छवि पर असर डालने वाला मामला बन जाता है।

सुशासन तिहार-औरदा शिविर में पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को मिली नए घर की चाबी, साकार हुआ सपनों का आशियाना

पुसौर/मूक पत्रिका

ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुरक्षित और सम्मानजनक आवास केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की नींव होता है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से ऐसे ही अनेक परिवारों के सपनों को नया आकार मिल रहा है। इसी क्रम में आज विकासखंड पुसौर के ग्राम औरदा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को उनके नए पक्के घर की चाबी सौंपी गई और विधिवत गृह प्रवेश कराया गया। शिविर में ग्राम पंचायत सुकूलभठली के संतराम, माला प्रधान और रामकुमार चौहान, ग्राम पंचायत जकेला की चंद्रमा गुप्ता, ग्राम पंचायत औरदा के जयंती साव और अहिल्या पाव को उनके सपनों के आवास की सौगात मिली। वर्षों तक कच्चे मकानों में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन बिताने वाले इन परिवारों के चेहरे पर अपने नए पक्के घर को देखकर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी। ग्राम पंचायत सुकूलभठली के हितग्राही रामकुमार चौहान ने भावुक होकर बताया कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बरसात के दिनों में घर में छप्पर से पानी टपकता था और परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पक्का मकान मिलने से उनका परिवार सुरक्षित और बेहतर वातावरण में रह रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अब वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रहा है। इसी तरह अन्य हितग्राहियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए केवल मकान नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। नए घर मिलने से बच्चों की पढ़ाई, परिवार की सुरक्षा और दैनिक जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित शिविरों का उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। इसी कड़ी में औरदा शिविर में विभिन्न विभागों की समस्याओं का निराकरण किया गया तथा हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई।

जनता से सीधा संवाद कर मंत्री ने कहा — शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

सुशासन तिहार 2026: सेमरिया में लगा जन समस्या निवारण शिविर, विभिन्न योजनाओं से हितग्राही हुए लाभान्वित

अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश, समस्याओं के त्वरित निराकरण पर दिया जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत सेमरिया के शास. हाई स्कूल परिसर में आज जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही एसडीएम बेमेतरा प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस दौरान एसडीएम दिव्या पोटाई, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और अपने-अपने विभागीय स्टॉलों में आम नागरिकों की समस्याएं सुनते रहे।

सेमरिया हाई स्कूल प्रांगण में विभिन्न विभागों द्वारा प्रमाण पत्र, कार्ड एवं आवास की चाबियों का वितरण-कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत 02 हितग्राहियों को नोनी सुरक्षा योजना के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 03 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित कर बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री वय वंदन योजना के अंतर्गत 03 वरिष्ठ नागरिक हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। योजना के माध्यम से बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक संबल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

खाद्य विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए, जिससे पात्र परिवारों को शासन की सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ प्राप्त हो सकेगा। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 08 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किए गए, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ग्राम सेमरिया के 02 तथा ग्राम भंवरदा के 02 हितग्राहियों को उनके नए आवास की चाबियां सौंपी गईं। अपने पक्के घर की चाबी पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। हितग्राहियों ने शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ सीधे गांव स्तर पर मिलने से लोगों को काफी सुविधा हो रही है।

जनता से सीधा संवाद, आवेदन देने के लिए किया प्रेरित-मंत्री श्री बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को अपनी समस्याएं एवं मांगें लिखित आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने कहा कि जब नागरिक जागरूक होकर अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाएंगे, तभी उनका त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का सत्यापन एवं निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के निर्देश-प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर त्वरित और प्रभावी कार्य सुनिश्चित करें।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें।

सरकार की योजनाओं की दी जानकारी-अपने उद्बोधन में मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और गरीब वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना की गड़बड़ियों को दूर कर प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का मकान उपलब्ध हो सके। किसानों को धान का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। मंत्री श्री बघेल ने महतारी वंदन योजना, आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज, राशन कार्ड निर्माण, तीन महीने का चावल एक साथ वितरण तथा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने नवागढ़ में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल निर्माण एवं महतारी सदन की स्वीकृति का भी उल्लेख किया।

संपादकीय

गैस-डीजल पर चुनाव के बाद झटका या वैश्विक असर?

कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि शुक्रवार को खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई।वहीं चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है।कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे-सीधे इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े।फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। इसी तरह, अब यह कहना मुश्किल है कि विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्यों में वृद्धि केवल यहीं तक रुक जाएगी। अभी से आम उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जाने लगी है।जाहिर है, एक ऐसा दौर शुरू हो चुका है, जिसमें महंगाई का दुश्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। खासतौर पर डीजल की कीमतों में इजाफे के बाद ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और इसके बाद चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वैश्विक स्तर पर पसरी अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हाल के दिनों में जो सुस्ती देखी जा रही है, बाजार भी तेज उतार-चढ़ाव से गुजर रहा है, उसमें एक बड़ी आबादी रोजी-रोजगार के सवालों से जूझ रही है।लगातार घटती क्रयशक्ति के दौर में महंगाई की मार का असर कितना गहरा हो सकता है, इसका बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सवाल है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से उपजे संकट के बावजूद सरकार ने करीब दो महीने तक तेल और गैस की कीमतों को कमोबेश थाम कर रखा था और इनकी उपलब्धता के वैकल्पिक रास्ते निकाल रही थी.

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है। वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं।

(कमलेश पांडे)

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह 'हाईब्रिड वारफेयर' का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को रणनीतिक हथियार बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन कास्ट इमबैलेंस पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, धैर्य से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक लंबी थकाऊ लड़ाई की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है- हर युद्ध बेलटेजरिग नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह हाईब्रिड वारफेयर का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी ईरानी मॉडल का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इस्लामिक देश एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। आत्मनिर्भर भारत को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, मोज़ेक डिफेंस मॉडल- ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, मनोवैज्ञानिक युद्ध भी- आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज़, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारी- ईरान ने दिखाया कि 'वार आफ आर्टीशन' यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, संयुक्त युद्ध की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, एआई आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षा- ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

झालमुड़ी की झाल सदा रहेगी याद ...!

झालमुड़ी जिसे हमारे छत्तीसगढ़ में भेल के नाम से जाना जाता है , पश्चिम बंगाल में अपने झाल (तीखापन) का ऐसा प्रभाव छोड़ा कि उसकी तीव्र जलन सदा याद रहेगी ! देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान सड़क किनारे दस रुपए की झालमुड़ी क्या खाई , राजनीतिक सियासत ही हिल गई । वही झाल ममता के लिए निर्ममता बन कर फूट पड़ी ! 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों के प्रारंभिक रुझानों ने मोदी की झालमुड़ी के तीखेपन को और भी अधिक जलन पैदा करने वाला बना दिया । दीदी तो दीदी उनके भाइयों सहित रिश्ते के हर सदस्य को झालमुड़ी का स्वाद अब हमेशा याद रहेगा । झालमुड़ी का ऐसा प्रभाव शायद ही किसी ने पहले कभी देखा हो ? चुनावी नतीजों के साथ बंगाल के ÷ रसोगुल्ला ÷ को भूलकर लोगों ने झालमुड़ी की ओर लपकना शुरू कर दिया । भला हो देश के प्रधानमंत्री का जिसने ठेलों - खोमचों में घूम - घूमकर झालमुड़ी बेचने वालों की दीवाली मना दी ! मै कह सकता हूं कि पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी महज एक स्ट्रीट फूड नहीं बल्कि 2026 के चुनावों में एक तीखा राजनीतिक प्रतीक अथवा व्यंग्य बन गई है । परिणामों के बाद आ रहे व्यंग्य और मीम्स ने दीदी के राजनीतिक भविष्य पर जैसे ग्रहण ही लगा दिया हो । कच्चे सरसों के तेल की झाल दीदी को ऐसी जलन दे गई , जिसे बरनाल भी ठंडा नहीं कर पा रहा है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी खाना और झालमुड़ी बनाने वाले से सवाल - जवाब सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगा । विक्रेता और देश के शीर्ष नेता के बीच ÷ प्याज ÷ और ÷ स्वाद ÷ पर नोक - झोंक ने भी लोगों को खूब गुदगुदाया । भाजपा समर्थक झालमुड़ी के कोन (पेपर से बना एक आकर) को लेकर जश्न मनाते देखे जा रहे हैं । इसे हम बंगाली संस्कृति को राजनीतिक नैरेटिव में बदलने का प्रयास कह सकते हैं । झालमुड़ी के स्वाद की ÷ आक्रामकता ÷ को चुनावी नतीजों की ÷ उथल - पुथल ÷ से जोड़कर देखा जा रहा है ! अब झालमुड़ी एक साधारण ÷ स्नैक ÷ न होकर राजनीतिक भावना बनकर उभर रही है ! परिणामों के बाद भाजपा नेताओं द्वारा मिठाई भूलकर झालमुड़ी की ओर खींचे चले जाना किसी तीखे संदेश से कम नहीं है । हमने एक किंवदंती सुन रखी है जो पारस पत्थर से जुड़ी हुई है । कहा जाता है कि वह पत्थर लोहे को छूते ही सोना बना देता है ! मुझे नहीं मालूम सच्चाई क्या है ? इतना जरूर है कि भारतवर्ष की राजनीति में हमने सच्चे पारस पत्थर को नरेंद्र मोदी के रूप में पाया है । पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों तक शासन करने वाली टी एम सी और उसकी प्रमुख दीदी के लिए भारतीय पारस पत्थर नरेंद्र मोदी का बंगाल प्रवेश उसके लिए ऐसी बाड़ बन गया जिसे लांघना दीदी के लिए हिमालय लांघने से कम नहीं है । बंगाल में एक प्रसिद्ध कहावत है , जो अनावश्यक अथवा सनसनीखेज खबर के लिए कही जाती है ÷ झालमुरीर थोगा होए गेछे ÷ अर्थात आज का अखबार कल झालमुड़ी का पैकेट होगा ! अब मैं कहूं तो यह कहावत टी एम सी के लिए झालमुड़ी का कोन बनकर रह गई है । वास्तव में झालमुड़ी है क्या ? चना , मुरमुरा , कटा हुआ प्याज , कटी हुई हरी मिर्च , सरसों का तेल , अमचूर और थोड़ा सा खट्टा अचार का समन्वय । इन सबको एक बर्तन में डालकर चम्मच या लकड़ी से अच्छी तरह मिलाया जाता है । हमारे प्रधानमंत्री ने इसी झालमुड़ी को अपनी राजनीतिक भाषा में लपेटते हुए ऐसा मिश्रण बनाया कि उसके स्वाद और झाल से हर किसी की ममता छटपटाने लगी । टाइमपास झालमुड़ी को भाजपा के शीर्ष नेता ने क्षणिक आनंद देने वाला स्वाद नहीं वरन देर तक मुंह में सी ..सी .. करने वाला ऐसा व्यंजन बना दिया , जिसकी झाल सदा याद रहने वाली बन गई ! बंगाल के सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले स्ट्रीट फूड झालमुड़ी को नरेंद्र मोदी ने अपनी अचेतन पसंद के रूप में शायद इसलिए चुना ताकि यह बताया जा सके कि उनकी पार्टी भाजपा , जिसे बंगाल विरोधी कहा जाता है , वास्तव में बंगाली संस्कृति से बहुत स्नेह रखती है । इसी अचेतन पसंद ने बंगालियों के दिलों में राज किया और फिर हो गया भाजपा का तिलक वंदन !

चना और मुरमुरे का साधारण सा मिश्रण आज पश्चिम बंगाल की धड़कन बन गई है ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनात्मक मुद्रा ही वह ताकत बन गई जिसने बड़े और मजबूत किले को ढहा दिया ! भारतवर्ष के पश्चिम बंगाल में जब - जब विधानसभा की रणभेरी बजेगी तब - तब झालमुड़ी की चर्चा मूक गवाह बनकर सामने आती रहेगी । शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नहीं सोचा होगा कि उनके द्वारा झालमुड़ी का स्वाद लेना इतनी बड़ी खबर बन जाएगी जो सिंहासन तक पहुंचने का मार्ग दिखा जाएगी । नरेंद्र मोदी का यह कहना -÷ भाई ! हमें भी अपनी झालमुड़ी खिला दो ..÷ ! झालमुड़ी बेचने वाले के दिल को छू गया ! सड़क किनारे खड़े होकर झालमुड़ी खाना यह सिद्ध कर गया कि ÷ निजी पल ÷ भी ÷ राजनीतिक ÷ हो सकता है । झालमुड़ी वास्तव में बंगाल की अटूट धड़कन है । चुनाव जीतने के बाद अब यही समझा जा रहा है कि भाजपा का यह दूढ़ तीखा वादा है कि झालमुड़ी के टिन की लयबद्ध खनक प्रदेश की साझा यादों और जोशीली बहसों का संगीत बनी रहेगी । झालमुड़ी बंगाल की एक मात्र सच्ची , जोशीली और स्थिर पहचान बनी हुई है । यह उन लोगों की मसालेदार आत्मा है , जो जानते हैं कि जीवन एक उत्तम मिश्रण की तरह थोड़ी सी गर्मी और बहुत सारे दिलों के साथ मेल - मिलाप को पसंद करता है । प्रधानमंत्री का झालमुड़ी खाना ही वह ÷ सीक्रेट फॉर्मूला ÷ बन गया जिसने ममता सहित उनकी पार्टी की बंगाल से बिदाई कर दी ! आज बंगाल की जनता और पूरा भाजपा का कुनबा यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है कि यह जीत रणनीतिक है , संगठनात्मक है या फिर उस चटपटे स्वाद की है , जिसने पूरी तस्वीर ही बदल दी ! मुझे तो लगता है बंगाली जनता ने अब ÷ मैनिफेस्टो ÷ नहीं ÷ मेन्यू ÷ पर अपना सारा फोकस उड़ेल दिया है । इस बार झालमुड़ी ने बंगाल की राजनीति और संस्कृति को एक साथ मिलाकर यह सिद्ध कर दिया है कि यह मूंगफली की तरह मजबूत , मिर्च की तरह तीखी और सरसों के तेल की तरह असरदार है । सवाल यह नहीं कि भाजपा कैसे जीती ? सवाल यह है कि क्या अब हर चुनाव में स्थानीय व्यंजन ही बाजी जिताने का जरिया बनेंगे ?

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

'थलापति' से 'मुधलवन' तक- कैसे विजय ने तमिलनाडु की सत्ता का रुख मोड़ दिया

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया- सोशल मीडिया का जादू- उन्होंने न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस की और न ही टीवी इंटरव्यू दिए। इसके बजाय, उन्होंने सीधे सोशल मीडिया के जरिए जनता से संवाद किया।

विजय मामा और नन्हें ब्रांड एंबेसडर- विजय ने चतुराई से बच्चों और किशोरों को अपना 'नानबा' (दोस्त) बनाया। 'विजय मामा' के संबोधन ने बच्चों को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने अपने माता-पिता को टीवीके को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

(रेनू तिवारी)

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया है। जब अभिनेता विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की स्थापना की थी, तो कई विश्लेषकों ने उन्हें द्रविड़ राजनीति के दो दिग्गजों (डीएमके और एआईएडीएमके) के सामने कमतर आंका था। लेकिन आज, विजय न केवल एक 'स्टार' बल्कि तमिलनाडु के 'मुधलवन' (मुख्यमंत्री) के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया-

सोशल मीडिया का जादू- उन्होंने न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस की और न ही टीवी इंटरव्यू दिए। इसके बजाय, उन्होंने सीधे सोशल मीडिया के जरिए जनता से संवाद किया।

विजय मामा और नन्हें ब्रांड एंबेसडर- विजय ने चतुराई से बच्चों और किशोरों को अपना 'नानबा' (दोस्त) बनाया। 'विजय मामा' के संबोधन ने बच्चों को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने अपने माता-पिता को टीवीके को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

साधारण में भव्यता-कभी तंग गलियों में साइकिल चलाना तो कभी फिल्म समारोहों में छोटी कहानियों के जरिए सत्ता पर तीखे प्रहार करना–विजय के हर कदम ने जनता के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया।

चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता ने असामान्य रूप से किशोरों और बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि वे उनके माता-पिता को टीवीके के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित कर सकें। जब मतदान का आंकड़ा 85 फीसदी के पार चला गया, तब विजय ने खुद को 'विजय मामा' कहते हुए खास तौर पर 'कुट्टी, नानबा, नानबी' (बच्चों और दोस्तों) को संबोधित किया और अभिभावकों को टीवीके के समर्थन के लिए मनाने के वास्ते उनका आभार जताया। यही नहीं, उन्होंने द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को कुशलतापूर्वक संयोजित करते हुए अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार की।

विजय ने हमेशा से ही लीक से हटकर कदम उठाए। एक दिन वह अप्रत्याशित रूप से साइकिल से एक रिहायशी इलाके की तंग गलियों से गुजरे और देखते ही देखते उनके इर्द-गिर्द भारी भीड़ जुट गई, जिससे एक साधारण पल भव्य नजारे में तब्दील हो गया। एक अन्य मौके पर उन्होंने एक फिल्म समारोह के मंच पर खड़े होकर सुनने में सरल, लेकिन गहरे अर्थों वाली कहानियां सुनाना शुरू किया, जिनमें सत्ता में बैठे लोगों के लिए तीखे संदेश छिपे हुए थे। विजय के हर शब्द पर आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता था, जिससे दर्शकों के साथ उनके स्पष्ट भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती थी।

लगभग 25-30 साल पहले किसी ने इस बात की कल्पना भी नहीं की होगी कि बेहद सौम्य, सरल और शर्मीले स्वभाव वाले विजय एक दिन खुद का राजनीतिक दल बनाएंगे और अपने पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री पद तक सफर तय करेंगे। विजय अभिनीत 'पूवे उनक्कगा' का निर्देशन करने वाले विक्रमन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उस समय भी मुझे पूरा भरोसा था कि वह आगे चलकर फिल्म उद्योग पर राज करेंगे। मुझे पता था कि उनमें कुछ खास है, जो लोगों को उनका दीवाना बना देगा। 'घिल्ली' और 'मधुरेय' के संवाद लेखक तथा 'अजहगिया तमिल मगन' और 'बैरावा' के निर्देशक भरतन ने भी विक्रमन की बात से इत्तफाक जताया।

'पूवे उनक्कगा' विजय के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई। बाद में उन्होंने भावनाओं, पारिवारिक विषयों, हास्य, उच्च-स्तरीय एक्शन और हिट गीतों के सदियों से आजमाए एवं परखे गए फॉर्मूले के सहारे खुद को एक मेगास्टार के रूप में स्थापित किया। विजय के परिवार ने उनकी तीसरी ही फिल्म 'रसिगन' (1994) के प्रमोशन के दौरान उन्हें 'इलैया थलापति' (युवा कमांडर) के रूप में पेश करने का फैसला किया, जो उनके आत्मविश्वास के साथ-साथ ब्रांडिंग के महत्व की उनकी गहरी समझ को भी दर्शाता है।

यह तमगा अगले एक दशक से अधिक समय में उनके चित्रण के लिए और भी प्रासंगिक हो गया, क्योंकि वह निर्विवाद रूप से 'थलापति' बनकर उभरे। अब 51 वर्षीय चंद्रशेखर जोसेफ विजय 'थलापति' (कमांडर) से आगे बढ़कर खुद को 'थलाइवन' (नेता) और 'मुधलवन' (मुख्यमंत्री) के रूप में स्थापित करने में कामयाब हो गए हैं। विजय ने शुरू से ही बहुत सूझ-बूझ दिखाई और अपने करियर की रूपरेखा भविष्य के राजनीतिक लक्ष्य के अनुरूप तैयार की। जब 'विजय मक्कल इयक्कम' (वीएमआई) के बैनर तले एकजुट विजय के प्रशंसकों ने 2021 में उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल कर स्थानीय निकाय चुनावों में जीत दर्ज की, तो लोग चौंक गए और सियासी दुनिया में अभिनेता के पदार्पण की नींव तैयार हुई।

वीएमआई के कई पदाधिकारी आज विजय की टीवीके में अहम पदों पर हैं। कई साल पहले, जब विजय ने सार्वजनिक समारोहों में कहानियां सुनाना शुरू किया, जो कि एक दिग्गज राजनीतिक हस्ती, दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की जगजाहिर खूबी थी, तो कई लोगों ने सोचा कि वह अपनी क्षमता से कहीं अधिक लक्ष्य और महत्वाकांक्षा पाल रहे हैं। धीरे-धीरे विजय ने दिवंगत एम करुणानिधि सहित कई अन्य बड़ी राजनीतिक हस्तियों की तरह अपने प्रशंसकों और समर्थकों को संबोधित करने के लिए एक खास वाक्यांश का इस्तेमाल शुरू किया, ताकि उनके साथ गहरा जुड़ाव कायम कर सकें।

'एन नेनजिल कुडियिरुक्कुम...नानबा, नानबी' (दोस्तों, आप मेरे दिल में रहते हैं) अपने प्रशंसकों और समर्थकों को संबोधित करने के लिए विजय का पसंदीदा वाक्यांश है। जयललिता सहित कुछ अन्य कद्दावर नेताओं की तरह ही विजय ने भी मीडिया को शायद ही कभी साक्षात्कार दिए और वह हमेशा से ही सार्वजनिक मंचों पर कम बोलते रहे हैं। जब विजय की 2013 में प्रदर्शित फिल्म 'थलाइवा' की टैगलाइन 'बॉर्न टू लीड' (पैदाइशी नेता) जारी की गई थी, तो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का पहला, स्पष्ट संकेत मिला था, लेकिन पुख्ता निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त कारण नहीं थे।

हालांकि, 'थलाइवा' की रिलीज से दो साल पहले वह दिल्ली में अन्ना हजारे के अनशन स्थल पर पहुंचे थे और उनके प्रति समर्थन जताया था, जिससे उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर अटकलें शुरू हो गई थीं। बहरहाल, 'थलाइवा' उम्मीदों के अनुसार अपनी टैगलाइन के कारण विवादों में घिर गई और तमिलनाडु में फिल्म की रिलीज दो हफ्ते के लिए टाल दी गई। यह फिल्म सिनेमाघरों का मुंह तभी देख पाई, जब इसकी टैगलाइन हटाई गई। उस समय तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सरकार थी। विजय 2014 में प्रदर्शित 'कत्थी' में जब किसानों के सामने पेश आने वाली चुनौतियों पर बात करते दिखे, तो उनके प्रशंसकों के लिए यह एक मसीहा के आगमन जैसा था। जैसे-जैसे विजय की लोकप्रियता बढ़ती गई, उनकी फिल्मों में एक गहरा राजनीतिक संदेश झलकने लगा। एटली के निर्देशन में बनी विजय की 'मर्सल' (2017) ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की आलोचना करने वाली फिल्म के एक संवाद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई। पार्टी नेता एच राजा ने विजय के ईसाई धर्म पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते हुए उन पर घृणा अभियान को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

20 मई को देशव्यापी दवा व्यापार बंद का आह्वान, जिला औषधि विक्रेता संघ ने सौंपा ज्ञापन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

आगामी 20 मई 2026 को प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद के समर्थन में जिला कैमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन (ष्ष्ष्ठ) जांजगीर-चांपा ने जिला प्रशासन एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढरू) को ज्ञापन सौंपा। यह बंद ऑनलाइन दवा बिक्री, अवैध ई-फार्मेसी संचालन तथा बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग नीति के विरोध में किया जा रहा है। संघ ने बताया कि यह आंदोलन ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (्ढ्ढह्रष्ठ) के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के लगभग 12.40 लाख कैमिस्ट एवं औषधि विक्रेता शामिल होंगे। संगठन का कहना है कि लंबे समय से केंद्र व राज्य स्तर पर संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष मांगें रखी जा रही हैं, लेकिन समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हो पाया है। ज्ञापन में कहा गया कि ऑनलाइन दवा आपूर्ति और अवैध ई-फार्मेसी के

अनियंत्रित संचालन से न केवल लाखों कैमिस्टों की आजीविका प्रभावित हो रही है, बल्कि जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। बिना चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री, नकली या अप्रमाणित प्रिस्क्रिप्शन, एंटीबायोटिक दवाओं की अनियंत्रित उपलब्धता तथा फार्मासिस्ट और मरीज के बीच प्रत्यक्ष संवाद की कमी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।संघ ने प्रमुख मांगों में अवैध ई-फार्मेसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, 28 अगस्त 2018 की अधिसूचना स्.ह्र. 817(श्व) एवं 26 मार्च 2020 की अधिसूचना स्.ह्र. 2205(श्व) को वापस लेने तथा बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों द्वारा दवाओं पर दी जा रही अत्यधिक छूट और मूल्य निर्धारण नीति पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। जिला कैमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने प्रशासन और चिकित्सा समुदाय से 20 मई के दवा व्यापार बंद को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनस्वास्थ्य सुरक्षा और औषधि वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।इस अवसर पर संघ की ओर से अध्यक्ष अविनाश शर्मा, प्रदेश संघ के कोषाध्यक्ष एवं जिले के सचिव पवन पालीवाल, जितेंद्र केशरवानी, मुकेश सिंह चंदेल एवं हरीश शीतलानी उपस्थित रहे।

स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत सुदूर पीड़िया इलाके में पहुंची स्वास्थ्य टीम, घर-घर जाकर की गई स्वास्थ्य जांच

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बीजापुर विकासखंड के सुदूर और दुर्गम क्षेत्र पीड़िया में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने पीड़िया, अंडरी और तामोड़ी गांवों में रात्रि विश्राम कर घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की और जरूरी स्वास्थ्य परामर्श दिया। अभियान के तहत ग्रामीणों की टीबी, मलेरिया, फाइलेरिया, कुष्ठ रोग और एनसीडी जैसी बीमारियों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग की गई। जांच के दौरान जरूरतमंद लोगों को उपचार और आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ग्राम पीड़िया में 476, अंडरी में 494 और तामोड़ी में 281 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। अभियान के

दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सुदूर और दुर्गम इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि हर जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

पीड़िया, अंडरी और तामोड़ी गांवों में चला स्क्रीनिंग अभियान
स्वास्थ्य टीम ने गांवों में रात्रि विश्राम कर घर-घर पहुंच बनाई
टीबी, मलेरिया, फाइलेरिया और कुष्ठ रोग की जांच की गई
पीड़िया में 476, अंडरी में 494 और तामोड़ी में 281 लोगों की जांच हुई

विकास, विश्वास और बदलाव की पहचान बने कलेक्टर श्री संबित मिश्रा – नम आंखों से बीजापुर के अधिकारी कर्मचारियों ने दी विदाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा को गुरुवार को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भावुक नजर आए। बीजापुर जैसे माओवादी प्रभावित और चुनौतीपूर्ण जिले में उनका कार्यकाल प्रशासनिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण और यादगार माना जा रहा है। बीजापुर जिले के अधिकांश सुदूर इलाकों तक कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी, लेकिन कलेक्टर संबित मिश्रा के कार्यकाल में विकास और विश्वास की नई पहल देखने को मिली। कठिन परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बेहतर समन्वय और संवेदनशील प्रशासनिक कार्यशैली के जरिए जिले को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया। विदाई समारोह में पुलिस अधीक्षक डॉ जितेन्द्र यादव, उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व श्री संदीप

बलगा तथा अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कलेक्टर संबित मिश्रा के कार्यकाल को जिले के लिए प्रेरणादायक बताया। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी हमेशा प्राथमिकता दी। कार्यक्रम के दौरान कई अधिकारी भावुक दिखाई दिए और नम आंखों से उन्हें विदाई दी।

अपने संबोधन में कलेक्टर संबित मिश्रा ने बीजापुर में बिताए कार्यकाल को जीवन का स्वर्णिम समय बताया। उन्होंने जिले की उपलब्धियों का श्रेय जिला प्रशासन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों, पुलिस विभाग तथा मैदानी अमले की टीम भावना और मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि बीजापुर में कार्य करते हुए उन्हें जनता का स्नेह और सहयोग हमेशा मिलता रहा, जो उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है।

समारोह के दौरान मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके सरल व्यवहार, कार्य के प्रति समर्पण और विकासोन्मुख सोच को याद करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बीजापुर ने अपने लोकप्रिय कलेक्टर को भावुक माहौल में विदाई दी, जहां हर आंख नम और हर शब्द सम्मान से भरा दिखाई दिया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल, जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी गण समस्त एसडीएम डिप्टी कलेक्टर तहसीलदार सीईओ जनपद पंचायत सहित जिला कार्यालय के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

ग्राम सभा के फैसले पर प्रशासनिक नोटिस से बढ़ा विवादः गोटाईगुड़ा में खेल विभाग को भूमि आवंटन का विरोध पड़ा भारी, तहसीलदार ने सचिव और पटेल को जारी किया कारण बताओ नोटिस

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोटाईगुड़ा में ग्राम सभा द्वारा भूमि संरक्षण के फैसले के बाद अब प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। तहसीलदार कार्यालय भोपालपटनम द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव और पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसमें शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने और आदेश का पालन नहीं करने का उल्लेख किया गया है।जारी नोटिस के अनुसार जिला खेल अधिकारी द्वारा जिला एवं विकासखंड मुख्यालय में कार्यालय संचालन और विभागीय गतिविधियों के लिए पटवारी हल्का नंबर 15 तिमेढ़ अंतर्गत ग्राम गोटाईगुड़ा की भूमि खसरा नंबर 61/12 से 0.400 हेक्टेयर भूमि आबंटन हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र और ग्राम पंचायत प्रस्ताव मांगा गया था।लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, पटेल और माटी पुजारी द्वारा आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा

कार्यालय तहसीलदार भोपालपटनम जिला बीजापुर (छ0ग0)
//कारण बताओ नोटिस//

गया कि उक्त भूमि को पूर्व से ही आदिवासी सामाजिक भवन और शादी कार्यक्रमों के लिए ग्राम सभा द्वारा संरक्षित किया गया है। इसके बाद ग्राम सभा ने प्रस्ताव पारित कर भूमि आवंटन संबंधी आदेश को निरस्त करने की मांग की।नोटिस में उल्लेख किया गया है कि ग्राम सभा और ग्राम पंचायत द्वारा संविधान की पांचवीं अनुसूची तथा छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम 2022 के प्रावधानों का हवाला देते हुए आदेश का विरोध किया गया। प्रशासन ने इसे शासकीय कार्य में बाधा मानते हुए संबंधित पंचायत पदाधिकारियों से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।तहसीलदार कार्यालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी। मामले की प्रतिलिपि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं एसडीएम कार्यालय को भी भेजी गई है। मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में ग्राम सभा के अधिकार, पांचवीं अनुसूची और प्रशासनिक हस्तक्षेप को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के निर्णयों को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है, ऐसे में ग्राम सभा के फैसले के बाद नोटिस जारी किया जाना कई सवाल खड़े करता है।

5 साल से पदोन्नति से वंचित कर्मचारी को हाईकोर्ट से राहत, ष्ठश्वह्र को कार्रवाई के निर्देश –सी.एस. चौहान

जशपुर/मूक पत्रिका

जिला शिक्षा विभाग में पदोन्नति से जुड़े मामले में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजकुमारी देवी को माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर से राहत मिली है। प्रकरण में हाईकोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्र) जशपुर को निर्देश दिया है कि प्रस्तुत अभ्यावेदन पर 02 माह के भीतर विधिसम्मत निर्णय लिया जाए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 की वरिष्ठता सूची में राजकुमारी देवी का नाम क्रमांक 60 पर होने के बावजूद उन्हें सहायक ग्रेड-ढ्ढढ्ढ पद पर पदोन्नति नहीं दी गई, जबकि उनसे कनिष्ठ कर्मचारी, जिनका नाम क्रमांक 153 पर था, को पदोन्नति का लाभ प्रदान कर दिया गया।इस संबंध में उन्होंने वर्ष 2022 में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था, किंतु कोई कार्यवाही नहीं होने पर पुनः वर्ष 2026 में आवेदन देकर वरिष्ठता

सूची में दर्ज त्रुटियों एवं पदोन्नति संबंधी विसंगतियों की जानकारी दी।

मामले में सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने अधिवक्ता सी 0एस0चौहान के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने में आदेश पारित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, जशपुर को निर्देशित किया है कि अभ्यावेदन पर नियमानुसार विचार कर निर्धारित समय-सीमा में निर्णय लिया जाए। राजकुमारी देवी ने मांग की है कि उन्हें वर्ष 2021 से सहायक ग्रेड-ढ्ढढ्ढ पद पर पदोन्नति प्रदान करते हुए समस्त एरियर, वेतन अंतर राशि एवं अन्य सेवा लाभ दिए जाएं।एड0 सी.एस. चौहान ने कहा कि लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रही कर्मचारी को अब न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

नशे के खिलाफजंगः ग्राम एकताल में पुलिस की दबिश.. 10 हजार मूल्य की 50 लीटर कच्ची शराब बरामद..!

रायगढ/मूक पत्रिका

जिले में चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत चक्रधरनगर पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

पुलिस को मिली सूचना के आधार पर दिनांक 06 मई 2026 को थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम एकताल स्कूलपारा में रेड कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम एकताल निवासी संदीप चौहान अपने घर के पास अवैध रूप से महुआ शराब का निर्माण और बिक्री कर रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में

आरोपी ने अपना नाम संदीप चौहान पिता सत्यनारायण चौहान उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम एकताल स्कूलपारा थाना चक्रधरनगर जिला रायगढ़ बताया। तलाशी के दौरान आरोपी ने अपने घर की बाड़ी से दो प्लास्टिक झिल्ली में रखी कच्ची महुआ शराब पेश की, जिसमें एक झिल्ली में 30 लीटर और दूसरी में 20 लीटर शराब भरी हुई थी। कुल 50 लीटर कच्ची महुआ शराब की अनुमानित कीमत 10,000 रुपये है । आरोपी के पास शराब निर्माण और बिक्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने पर मौके पर गवाहों के समक्ष पंचनामा कार्रवाई कर शराब एवं शराब निर्माण में प्रयुक्त पात्र जब्त किए गए। आरोपी संदीप चौहान के विरुद्ध धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक रवि साय, आरक्षक संदीप कौशिक, चन्द्र कुमार बंजारे एवं आरक्षक मिनकेतन पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बरमकेला बस स्टैंड का सामुदायिक शौचालय बना बदहाली का प्रतीक, गंदगी और बदबू से यात्री परेशान..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं के दावों के बीच बरमकेला बस स्टैंड स्थित सामुदायिक शौचालय की हालत बद से बदतर हो चुकी है। रोजाना सैकड़ों यात्रियों और स्थानीय लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाला यह शौचालय अब गंदगी, बदबू और अव्यवस्थाओं का केंद्र बन गया है। हालत ऐसी है कि लोग मजबूरी में शौचालय का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन अंदर जाते ही नाक बंद करने को मजबूर हो रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि शौचालय में लंबे समय से नियमित सफाई नहीं हो रही है। कई जगहों पर गंदा पानी जमा है, सीटें टूटी हुई हैं और परिसर में इतनी दुर्गंध फैली रहती है कि कुछ मिनट खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। बस स्टैंड में बाहर से आने वाले

यात्रियों पर इसका गलत असर पड़ रहा है और नगर पंचायत की व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं।

महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी–बस स्टैंड में हर दिन बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग आते-जाते हैं, लेकिन शौचालय की खराब स्थिति के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि शौचालय के अंदर सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है, कई बार पानी भी उपलब्ध नहीं रहता। इससे लोग मजबूरी में खुले स्थानों का सहारा लेने को मजबूर हो रहे हैं।

जर्जर भवन बना खतरा–सिर्फ गंदगी ही नहीं, बल्कि शौचालय भवन की स्थिति भी चिंताजनक हो गई है। दीवारों में दरारें दिखाई दे रही हैं और कई हिस्सों का प्लास्टर टूट चुका है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नगर पंचायत द्वारा लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए इस सामुदायिक शौचालय की देखरेख पूरी तरह लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है।

लोगों में नाराजगी, कार्रवाई की मांग–स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने नगर पंचायत प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि स्वच्छता अभियान सिर्फ पोस्टरों और भाषणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जमीन पर भी दिखाई देना चाहिए। अब देखना होगा कि नगर पंचायत प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देता है या फिर बस स्टैंड का यह शौचालय यूं ही बदबू और बदहाली का केंद्र बना रहेगा।

2.69 लाख रुपए, नोट गिनने की मशीन, आईफोन, सैमसंग जैसे महंगे 5 मोबाइल जब्त

क्रिकेट सट्टा पर टूटा पुलिस का कहर : 5 बड़े खाईवाल चढ़े हत्थे

रायगढ़/मूक पत्रिका

एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर ÷ऑपरेशन अंकुश÷ के तहत जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा में थाना साइबर और कोतवाली पुलिस की टीम द्वारा सीएसपी मयंक मिश्रा के नेतृत्व में कल कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रिनिटी हॉटल के सामने, पंजाब नेशनल बैंक के पास और कार्मेल स्कूल के पास तीन ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा की कार्रवाई करते हुए 5 बड़े सट्टा खाईवालों को पकड़ा गया है जिनसे 2 लाख 69 हजार रूपये नकद, एक नोट गिनने की मशीन, आईफोन, सैमसंग जैसे महंगे 5 मोबाइलों को जप्त किया गया है। आरोपियों पर धारा 4, 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है ।

साइबर और कोतवाली पुलिस की पहली रेड कार्रवाई–पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शहर के कोतरारोड बाईपास होटल ट्रिनिटी के सामने आरएस ट्रेडिंग कंपनी नामक ऑफिस में साकेत सिंघानिया मोबाईल फोन के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा खेलता और खेलाता है, सूचना पर पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई। कोतरारोड बाईपास होटल ट्रिनिटी के सामने आरएस ट्रेडिंग कंपनी पहुँचे, जहाँ एक व्यक्ति बैठा मिला, जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम साकेत सिंघानिया पिता प्रदीप कुमार सिंघानिया उम्र (37 वर्ष) निवासी गजानंदपुरम कोतरारोड रायगढ़ का रहने वाला बताया, जिसे रेड कार्रवाई के बारे में बता कर उसके पास रखे एक आसमानी रंग का विवो कंपनी का मोबाईल फोन और एक काला रंग का आईफोन 13 प्रो को चेक करने पर ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा ऑन लाईन आई डी- छ्र्स्क्ष्क्क्ष्ड्ड बना हुआ तथा पिंटू हलवाई के द्वारा भेजा गया व्हॉट्सएप के माध्यम से यू.पी.

आई.आई.डी. बारकोड एवं ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा खेलने वालों को मोबाईल नंबर व रकम ट्रांजेक्सन का स्क्रीनशॉट भेजा गया मिला। साकेत सिंघानिया से किक्रेट सट्टा के संबंध में पूछताछ करने पर पिंटू हलवाई और उसके भतीजे रौनक हलवाई, प्रियंका हलवाई निवासी चांदमारी रायगढ व शुभम मोदी, सोनपी अग्रवाल, पीहू गुप्ता के साथ वर्तमान में चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाईन मोबाईल के माध्यम से क्रिकेट टीमों पर हार जीत का सट्टा खेलना बताया जिसका प्रतिदिन हिसाब फोन पे एवं नगद दिया जाता था। आरोपी साकेत सिंघानिया के कब्जे से बरामद विवो कंपनी का मोबाईल फोन तथा आईफोन 13 प्रो जब्त किया गया है। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 07 छग जुआ प्रतिषेध अधिनियम का पाये जाने से कार्रवाई कर आरोपी साकेत सिंघानिया को रिमांड पर भेजा गया है। पंजाब नेशनल बैंक के सामने रेड कार्रवाई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि पुराना पंजाब नेशनल बैंक के पास रितेश डालमिया नामक व्यक्ति अपने राशन दुकान में मोबाईल से रूपये पैसे का हार जीत का आनलाईन किकेट सट्टा खेला रहा है। पुलिस टीम ने गवाहों को साथ लेकर मुखबीर के बताये स्थान पुराना पंजाब नेशनल बैंक के पास पहुंचकर घेराबंदी किये जो एक व्यक्ति रितेश राशन दुकान में बैठकर मोबाईल से आनलाईन किकेट सट्टा खेलाते मिला। पूछताछ करने पर अपना नाम रितेश डालमिया पिता अजय डालमिया (28 वर्ष) साकिन बीड़पारा रायगढ़ का रहने वाला बताया और पूछताछ करने पर ऑनलाईन किकेट सट्टा खेलाना स्वीकार किया। आरोपी रितेश डालमिया के कब्जे से वन प्लस मोबाईल एवं नगदी रकम 500 रूपये को गवाहों के समक्ष मुताबिक जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी रितेश डालमिया से पूछताछ कर कथन लेने पर अपने साथी पिंटू हलवाई साकिन चांदमारी रायगढ़, रौनक मोदनवाल साकिन चांदमारी रायगढ़ पीहू गुप्ता, चंदन कुमार शुभम मोदी, सोनपी अग्रवाल के साथ मिलकर अलगङ्कअलग जगहों में रहकर मोबाईल फोन के माध्यम से ऑनलाईन किकेट सट्टा बार कोड के माध्यम से ऑनलाईन किकेट सट्टा खेलाना बताया। आरोपी ने यह भी बताया कि खाईवाल पिंटू हलवाई को नगद एवं फोन पे बार कोड के माध्यम से देना, पिंटू हलवाई घर पर नहीं रहने से उनकी पत्नी प्रियंका हलवाई, भतीजा रौनक मोदनवाल को नगद रूपये देना बताया। वे लोग भी अपने घर में रहकर मोबाईल के माध्यम से किकेट ऑनलाईन सट्टा खेलाते हैं, बताया। आरोपी रितेश डालमिया के मेमोरेण्डम पर रौनक हलवाई, पिंटू हलवाई एवं प्रियंका हलवाई का पता तलाश उनक घर चांदमारी में किया जो घर पर रौनक मोदनवाल पिता संतोष मोदनवाल उम्र 19 वर्ष, प्रियंका हलवाई पति पिंटु हलवाई उम्र 37 वर्ष साकिन चांदमारी फायरबिग्रेड आफिस के पीछे रायगढ़ अपने घर पर मिलने से हिरासत में लेकर पूछताछ किया जो अपने घर पर रहकर मोबाईल के माध्यम से किकेट सट्टा हारङ्कजीत का जुआ खेलाना बताये। आरोपी रौनक के कब्जे से एक आईफोन मोबाईल और विवो कंपनी का मोबाईल आरोपिया प्रियंका हलवाई के कब्जे से एक नग सेमसंग मोबाईल और नगदी रकम 2,69,000 रूपये, एक गेबलर कंपनी का नोट गिनने का इलेक्ट्रनिक मशीन कीमती 20,000 रुपए, जप्त किया गया।

कार्मेल स्कूल के पास तीसरी रेड कार्रवाई–पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि संजय मैदान रामभांठा रायगढ़ में दुबे के किराए के मकान द्वितीय तल में प्रदीप कुमार पाण्डेय मोबाईल फोन के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा खेलता एवं खेलाता है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा रेड कार्रवाई की गई, जहां एक व्यक्ति अपने घर के बरामदे में बैठा मिला। नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रदीप कुमार पाण्डेय पिता स्व. दीनदयाल पाण्डेय (52 वर्ष) निवासी संजय मैदान रामभांठा रायगढ़ का रहने वाला बताया। उसके पास से एक विवो 25 मोबाईल में क्रिकेट गुरु एप तथा फोनपे के द्वारा पिंटू हलवाई, रौनक हलवाई, प्रियंका हलवाई को रकम ट्रांजेक्सन का स्क्रीनशॉट मिला। पूछताछ पर आरोपी ने पिंटू हलवाई और उसका भतीजा रौनक हलवाई, प्रियंका हलवाई के साथ वर्तमान में चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाईन मोबाईल के माध्यम से क्रिकेट टीमों पर हार जीत का सट्टा खेलवाया जाता है। प्रतिदिन हिसाब फोन पे एवं नगद दिया जाता था। आरोपी प्रदीप कुमार पाण्डेय के कब्जे से एक विवो 25 मोबाईल जिसमें फोन पे के माध्यम से 89950 रुपये लेनदेन हुआ है, जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी का कृत्य पर थाना कोतवाली में अपराध धारा 4, 7 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है ।

साइबर सेल और थाना सरिया ने शासकीय लुकापारा में चलाया साइबर जागरूकता अभियान, साइबर फ्रॉड से बचने दिया गया टिप्स..

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़// जिला के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे एवं डीएसपी अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में साइबर सेल सारंगढ़ और थाना सरिया के टीम द्वारा मिशन पहल अभियान के तहत लुकापारा में साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया।

जागरूकता कार्यक्रम में थाना प्रभारी एन एल राठिया ने ग्रामीणों को बताया कि सबसे पहले किसी भी बेबसाइट के यूआरएल को चैक करें कि वह एचटीटीपीएस से शुरु हो रहा है या नहीं। एस यह दर्शाता है कि यह वेबसाइट सिक्योर है और पासवर्ड बनाने के लिए ध्यान रहे कि हर पासवर्ड यूनिक और अकाउंट से अलग हो। इसके अलावा 45 दिन में अपना पासवर्ड जरूर बदल लें। अपने प्राईमरी ईमेल को सोशल मीडिया साइट पर इस्तेमाल न करें। सोशल मीडिया साइट के लिए अलग से ईमेल ऐड्रेस बनाकर रखें। किसी भी तरह के सॉफ्टवेयर को डाउनलोड करने से पहले सॉफ्टवेयर और वेबसाइट होस्टिंग का पता जरूर लगा ले। काम होने के बाद हमेशा अपने अकाउंट को हमेशा लॉगआउट करें। अपने क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड की जानकारी ब्राउज़र में सेफ ना करें। किसी भी प्रकार की आपके फोन में आई ओटीपी किसी को शेयर ना करें।

थाना प्रभारी एन एल राठिया ने बताया कि आनलाइन जाब, क्रेडिट और डेबिट क्राड की डिटेल प्राप्त कर भी साइबर ठग खातों से रुपये उड़ा रहे है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि लोग झूठे प्रलोभन से बचें। यदि इसके बावजूद साइबर क्राइम के शिकार होते हैं तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्प लाईन नंबर 1930 पर काल करें। लोगों को जागरूक किया गया कि फर्जी जाब के आफर्स से भी सावधान रहें, असत्यापित लिक पर क्लिक न करें, इंटरनेट मीडिया पर अज्ञात लोगों से फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी आनलाइन साझा करते समय सावधानी बरतें, किसी भी झांसा या प्रलोभन देने वाले हाईपर लिंक/ वेबलिंक्स/ यूआरएल को न खोलें, क्योंकि ये आपकी निजी व वित्तिय जानकारियों को लीक कर सकते है।

एसआई मोतीलाल डनसेना ने भी ग्रामीणों को साइबर अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी दिया और उससे बचना कैसे है उसकी जानकारी दिया।

बता दें कि सरिया पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में पाम्पलेट चिपकाकर, होंडिंग लगाकर साइबर जागरूकता अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसके अलावा जगह जगह गांवों के कार्यक्रमों में जनचौपाल के माध्यम से साइबर फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को ग्राम पंचायत लुकापारा में साइबर जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

जागरूकता कार्यक्रम में सरिया थाना प्रभारी एन एल राठिया, सउनि मोतीलाल डनसेना, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सिदार, विजय यादव, महिला आरक्षक प्रीति खड़िया सहित साइबर सेल और थाना के स्टाफ, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रक्षक बना भक्षक : ट्रांसफर के बाद थाना से एसी गायब! पूर्व थाना प्रभारी पर उठे सवाल, पुलिस महकमे में चर्चा तेज..

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़/ सरिया थाना एक बार फिर चर्चाओं में है। इस बार मामला किसी अपराध का नहीं, बल्कि थाना परिसर से एयर कंडीशनर गायब होने का है। चर्चा है कि सरिया के पूर्व थाना प्रभारी के तबादले के बाद उनके केबिन में लगा एसी भी रातों-रात उखाड़ लिया गया। मामले को लेकर पुलिस महकमे से लेकर आम लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नए थाना प्रभारी ने जब पदभार संभालने के बाद अपने केबिन का निरीक्षण किया तो वहां लगा एयर कंडीशनर गायब मिला। बताया जा रहा है कि ट्रांसफर से पहले तक एसी कार्यालय में लगा हुआ था, लेकिन अचानक उसके हट जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। थाना परिसर में यह मामला अंदरखाने चर्चा का विषय बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस विभाग की संपत्ति जनता के टैक्स के पैसों से खरीदी जाती है। ऐसे में यदि सरकारी सामान को इस तरह हटाया गया है तो इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं कुछ लोग इसे ÷रक्षक बना भक्षक÷ जैसी स्थिति बताते हुए सवाल उठा रहे हैं कि जब जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही सरकारी संपत्ति को लेकर विवादों में आएंगे तो आम जनता के बीच क्या संदेश जाएगा।

हालांकि इस मामले में अभी तक पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि एसी विभागीय प्रक्रिया के तहत हटाया गया या फिर निजी तौर पर ले जाया गया। लेकिन थाना परिसर से सरकारी सामान गायब होने की खबर ने पूरे इलाके में हलचल जरूर बढ़ा दी है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

सक्ती के छात्रों को एयरपोर्ट विजिट का मौका, फाइटर विमान देखने का मिलेगा सुनहरा अवसर

13 मई को ऑनलाइन परीक्षा के जरिए होगा चयन

चयनित विद्यार्थियों को कॉकपिट में बैठने का मिलेगा अनुभव

मूक पत्रिका/सक्ती:- जिला प्रशासन सक्ती द्वारा जिले के होनहार छात्रों के लिए विशेष एयरपोर्ट भ्रमण (एयरपोर्ट विजिट) कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर के तहत चयनित छात्रों को फाइटर पायलट एवं सिविलियन एयरक्राफ्ट को करीब से देखने तथा कॉकपिट में बैठने का शानदार अनुभव प्राप्त होगा। यह भ्रमण 17 मई (रविवार) को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र भाग ले सकेंगे। चयन प्रक्रिया के तहत सामान्य ज्ञान एवं एप्टीट्यूड आधारित 1 घंटे की बहुविकल्पीय (एमसीक्यू) ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा 13 मई को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक होगी। परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से ली जाएगी, इसलिए विद्यार्थियों को इंटरनेट सुविधा वाला मोबाइल साथ लेकर आना अनिवार्य होगा। इच्छुक छात्रों को पंजीकरण फॉर्म भरकर जिले में बनाए गए 8 परीक्षा केंद्रों में से अपनी पसंद का केंद्र चुनना होगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है तथा इसमें किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऑनलाइन पंजीयन फॉर्म का लिंक द्धह्लह्लश्चह्य://द्घशह्म्द्वह्य.द्दद्य/स्4स्ब्ह्वठ्ठद्भ्ड्ड रुड्ड37ड्डन्यक्क्7 के माध्यम से भर सकते हैं। जिला प्रशासन ने जिले के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ लें तथा इस जानकारी को अपने क्षेत्र के छात्रों और अभिभावकों तक अवश्य साझा करें, ताकि जिले के युवा अपने सपनों को नई उड़ान दे सकें।

प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह के 96 जोड़े को दिया आशीर्वाद

प्रभारी मंत्री ने वर वधुओं को ज्यादा मोबाइल का उपयोग नहीं करने की दी नसीहत

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ/ /मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत शुक्रवार को कृषि उपज मंडी प्रांगण सारंगढ़ में 96 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने नवविवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार करें। छोटी छोटी बात पर ससुराल और मायके, पति और पत्नी के बीच विवाद हो जाता है, जिसमें विवाद का कारण मोबाइल है। सभी वर वधु शादी के सात बंधन में बंध गए हैं, सभी खुश रहें।

कार्यक्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पाण्डेय, पूर्व विधायक शमशेर सिंह, केराबाई मनहर, कामदा जोल्हे, सत्ता धारी दल के जिला अध्यक्ष ज्योति लाल पटेल सहित टीकाराम पटेल, सुभाष जालान, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। विवाह समारोह के दौरान वर-वधुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं सामाजिक परंपराओं के अनुसार विवाह संस्कार सम्पन्न किए। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा सभी नवदंपत्तियों को शुभाशीष प्रदान किया गया। समारोह में मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा नवदंपत्तियों को 35 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समारोह हेतु भोजन, पेयजल, बैठक व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। पूरे समारोह में उत्साह, उल्लास एवं पारिवारिक वातावरण देखने को मिला।

जर्जर भवन में संचालित हो रहा आमाबेड़ा तहसील कार्यालय, ग्रामीण परेशान

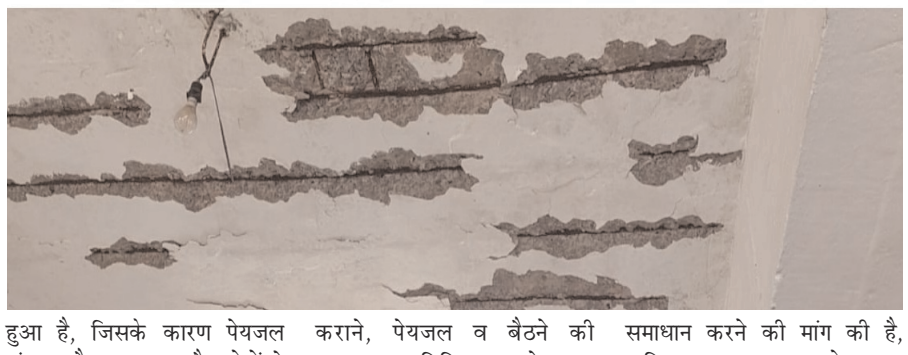

हादसे को दावत देता आमाबेड़ा तहसील कार्यालय,, सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण बेहाल

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेरः- कांकेर जिले के आमाबेड़ा तहसील कार्यालय की बदहाल व्यवस्था से क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर भवन में संचालित तहसील कार्यालय में मूलभूत सुविधाओं का अभाव होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं जमीन संबंधी कार्यों के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग तहसील कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन यहां न तो बैठने की समुचित व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है। भीषण गर्मी में दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि जिस भवन में तहसील कार्यालय संचालित हो रहा है उसकी छत जर्जर हो चुकी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। वहीं कार्यालय में नेटवर्क की समस्या के कारण ऑनलाइन कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि कार्यालय परिसर के बाहर लगा हैंडपंप भी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, जिसके कारण पेयजल संकट और गहरा गया है। लोगों ने प्रशासन से जल्द भवन की मरम्मत कराने, पेयजल व बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नेटवर्क समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

झुमका जन समस्या निवारण शिविर में प्राप्त हुए 2338 आवेदन, 272 प्रकरणों का हुआ तत्काल निराकरण

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा रहे शामिल

मूक पत्रिका/सरसीवां क्षेत्र के झुमका में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में आमजन से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर कुल 24 ग्राम पंचायतों से 2338 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में से 272 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

शिविर में राजस्व, पंचायत, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, राशन एवं मत्स्य विभाग, आबकारी विभाग, शिक्षा विभाग,पीएची विभाग व अन्य सभी विभाग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े आवेदन बड़ी संख्या में प्राप्त हुए। उपस्थित अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।

जिला प्रभारी टंक राम वर्मा द्वारा आयोजित इस जन समस्या निवारण शिविर में क्षेत्र के नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। शासन की जनहितकारी पहल के तहत आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर कार्रवाई जारी है। शिक्षा विभाग दसवीं व 12वीं के विद्यार्थियों को प्रस्तुति पत्र देकर सम्मान किया।

राजस्व विभाग 4 किसानों को ऋण पुस्तिका वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री आवास 10 लोगों को पूर्ण होने के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया।

मत्स्य विभाग दो लोगों को आइस बॉक्स व दो लोगों को जाल दिया गया।

बाल विकास परियोजना चार महिलाओं का सीमंतोन्नयन हुआ व 6 बच्चों को चेक किया।

कृषि विभाग एक किसान को ट्रैक्टर वितरण किया गया।

स्वास्थ्य विभाग पांच लोगों को आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया

पश्चिम बंगाल : परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

श्री राजनाथ सिंह
लेखक भारत सरकार में रक्षा मंत्री हैं।

हे नूतन, देखा दिक आर-बार, जन्मेरो प्रथम शुभोखोन÷ (हे नवीन, एक बार फिर से सामने आओ, ठीक उसी तरह जैसे जन्म के समय वह पहला शुभ क्षण आया था।)

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की यह पंक्तियाँ केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर स्वतः स्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल की आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली-भाँति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। गुरुदेव की जयंती पर गायी जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना की प्रतीक है। यह प्रार्थना पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर, नए, उज्ज्वल और रचनात्मक विचारों के स्वागत का आह्वान भी है।

यह एक सुखद संयोग है कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही, पश्चिम बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना है। 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव कभी सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह चुनाव इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर था–एक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है।

आज जब पश्चिम बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो हमें इस बात को समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और बंगाल की चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है बंगाल की शताब्दियों पुरानी चेतना को समझना और जानना।

बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा सन्यासी को आज हम आदि संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। चैतन्य महाप्रभु के द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। चैतन्य महाप्रभु ने जात-पात और ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ा। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया।

यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, धर्म या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह प्रश्न कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदु समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठायी। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था।

विगत तीन शताब्दियों में, बंगाल और बंगाल के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। जब समाज अपनी जड़ता, कुरीतियों और विकृत परंपराओं के बोझ तले दब चुका था, तब राजा राममोहन राय ने न तो परंपरा का समूल रूप से परित्याग किया और न ही तर्कशून्य तरीके से उसको उचित ठहराया। उन्होंने लोगों को आत्मबोध कराकर, समाज को भीतर से सुधारने का मार्ग चुना। उनका संदेश स्पष्ट था – समाज का पुनर्जन्म बाहर से नहीं, भीतर की चेतना से होता है। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि मुक्ति का मंत्र बना दिया। उन्होंने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तिकरण और मुक्ति का साधन बना दिया।

बंगाल के ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने ÷वंदे मातरम्÷ जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। वंदे मातरम् वह गीत था जिसने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोये हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत की अंतर-आत्मा का स्वर है। बंगाल ने ही भारत की सबसे पहली महिला चिकित्सक डॉ. कादम्बिनी गांगुली जी को जन्म दिया, जिन्होंने सभी को, विशेषकर महिलाओं को, प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

संभवतः बंगाल की धरती ने जितनी भी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने पूरे विश्व को वेदान्त और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया। यह सब बातें बंगाल की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। यही उसकी सनातन और शाश्वत पहचान रही है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल को इसी दृष्टि से देखते हैं। यह अतीत में लौटने की आकांक्षा नहीं है, न ही यह आधुनिकता की चाह में परायी सभ्यता की प्रतिछाया बनने की लालसा है। यह वह दृष्टि है जो बंगाल को पुनः जागृत करना चाहती है ताकि वह अपने पूर्ण सामर्थ्य के बल पर फिर से अपने सर्वोच्च वैभव को प्राप्त कर सके।

दुर्भाग्यवश, लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों और उनकी आवाज को दबाया गया। परंपरा को पिछड़ापन समझा गया और आधुनिकता के नाम पर औपनिवेशिक मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला।बंगाल में हुआ यह चुनाव और परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं। बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि पश्चिम बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था।

चांपा में नवीन कन्या महाविद्यालय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

नगर पालिका में हुई महत्वपूर्ण बैठक

नपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव के विशेष प्रयास ,महाविद्यालय के लिए संभावित स्थलों का निरीक्षण

मूक पत्रिका/चांपा। नगर में बहुप्रतीक्षित नवीन कन्या महाविद्यालय की स्थापना को लेकर नगर पालिका में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ठाकुर छेदी लाल महाविद्यालय जांजगीर के प्राचार्य डी.बी. लहरे, एम.एम.आर. महाविद्यालय के प्राचार्य एच.पी. खैरवार सहित प्रो. नीलिमा पांडे, मीनाक्षी चन्द्रा, डॉ. सुनीता राठौर, डॉ. एल.पी. तिवारी एवं डॉ. एल.पी. मिरी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, अधिकारीगण एवं पार्षदों की उपस्थिति में चांपा में नवीन कन्या महाविद्यालय स्थापित करने हेतु प्रस्ताव भेजने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान महाविद्यालय के लिए उपयुक्त स्थल चयन को लेकर भी गंभीर मंथन हुआ। प्रस्तावित स्थलों में आत्मानंद स्कूल के पीछे का क्षेत्र, कुरदा हनुमान धारा एवं चरण नगर सहित अन्य संभावित स्थलों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक उपरांत संबंधित स्थलों का निरीक्षण भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि चांपा में कन्या महाविद्यालय की मांग वर्षों पुरानी रही है। स्थानीय छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे अनेक परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह मांग लंबे समय से नगरवासियों की आकांक्षा रही है, जो अब साकार होती नजर आ रही है।

इस महत्वपूर्ण पहल को आगे बढ़ाने में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव विशेष रुचि लेते हुए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में नगर पालिका द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है।

यदि प्रस्ताव को स्वीकृति मिलती है तो चांपा नगर सहित आसपास की बेटियों को अपने ही शहर में उच्च शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा, जिससे न केवल शिक्षा के स्तर में वृद्धि होगी बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

दवा कंपनी में काम दिलाने के नाम पर युवतियों को झारखंड ले जाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस-प्रशासन

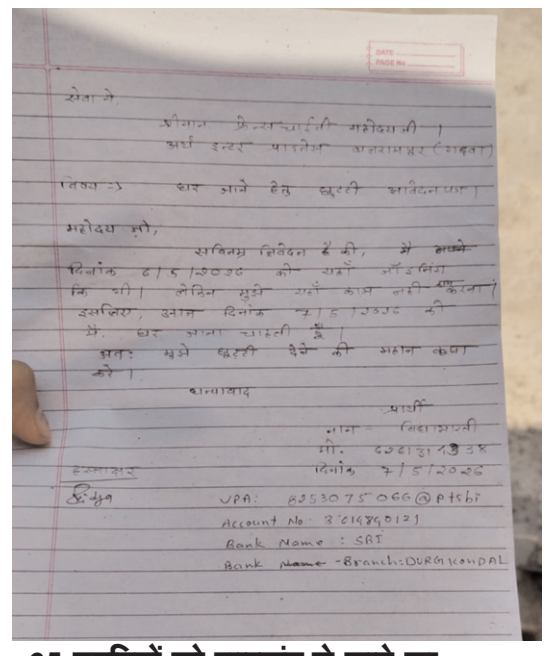

35 युवतियों को झारखंड ले जाने का मामला, कलेक्टर बोले- जांच जारी

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर :- कांकेर जिले के दुर्गुकोंदल एवं आसपास के क्षेत्रों की करीब 35 युवतियों को दवा कंपनी में काम दिलाने का झांसा देकर झारखंड ले जाने और वहां प्रताड़ित किए जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, युवतियों को नौकरी का लालच देकर झारखंड ले जाया गया था, जहां उनसे जबरन काम कराए जाने की बातें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि एक युवती ने अपने परिचित युवक को फोन कर मदद मांगी, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस और प्रशासन तक पहुंची। मामले के सामने आने के बाद पुलिस एवं प्रशासन की टीम जांच में जुट गई है। युवतियों की स्थिति और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। कलेक्टर की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की जानकारी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी अनजान व्यक्ति या संस्था के झांसे में न आएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को दें।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आज शिवरीनारायण के सत्संग भवन में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि समारोह में परियोजना नवागढ़ एवं परियोजना जांजगीर के कुल 23 जोड़ों का विवाह पूर्ण विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। इनमें 22 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से तथा 1 जोड़े का विवाह मुस्लिम परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को गरिमामय वैवाहिक आयोजन का लाभ मिला। विवाह सम्पन्न होने के पश्चात सभी नवदंपतियों को विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ प्यार और आभार के साथ मनाती हैं मदर्स डे

कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से जुड़ी निया शर्मा ने कहा, मेरी ताक़त सीधे मेरी मां से मिली है। मैंने उन्हें ज़िंदगी को अद्भुत हिम्मत और धैर्य के साथ संभालते देखा है और वही आत्मविश्वास आज मेरे अंदर है। लोग मेरी ऊर्जा देखते हैं और समझते हैं कि मेरे पीछे हमेशा एक ऐसी महिला रही है जिसने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मुझे हमेशा लगता है कि ज़िंदगी को खास बनाने के लिए किसी बड़ी चीज़ की ज़रूरत नहीं होती, बस अपने माता- पिता को साथ ले जाइए और हर पल मज़ेदार हो जाता है। मुझे अब भी हंसी आती है उस ट्रिप को याद करके जब हम उन्हें 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस में खो बैठे थे और घंटों बाद वह छत पर बैठी पूरे शहर के वीडियो बना रही थीं जबकि हम घबराकर सबको अलर्ट कर रहे थे। यही तो उनकी खासियत है हर अफरा-तफरी को यादगार बना देना। इस साल तो और भी खास रहा क्योंकि मुझे उनके साथ 'लाफ्टर शेफ्स' में शूट करने का मौका मिला और हमने साथ मिलकर शानदार खाना बनाया।

सैमसंग गैलेक्सी M और F सीरीज़ पर 8 मई से मिलेंगे स्पेशल ऑफर

गुरुग्रामः सैमसंग इंडिया ने आज गैलेक्सी M17 सीरीज़ (M17 5G और M17e 5G), गैलेक्सी M36 5G, गैलेक्सी M56 5G, गैलेक्सी F70e 5G और गैलेक्सी F36 5G स्मार्टफोन्स पर 8 मई से स्पेशल कीमतों का ऐलान किया। ग्राहक इन डिवाइसेस को बेहतरीन कीमत पर खरीद सकते हैं और बेहतर पहुंच, रचनात्मकता एवं और प्रोडक्टिविटी का अनुभव ले सकते हैं। हर डिवाइस में हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरा सिस्टम, मजबूत डिज़ाइन, एआई-पावर्ड टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट जैसी एडवांस्ड तकनीकें दी गई हैं।

गैलेक्सी रू सीरीज़- गैलेक्सी M17 सीरीज़, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेज़न पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन है, इसमें गैलेक्सी M17 5G और M17e 5G स्मार्टफोन शामिल हैं। गैलेक्सी M17 5G में साफऔर स्थिर फोटोग्राफी के लिए 50MP OIS ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, शानदार विज़ुअल्स के लिए ब्राइट और शानदार सुपर एमोलेड डिस्प्ले और अतिरिक्त मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन दिया गया है। इसमें झटपट जानकारी के लिए गूगल सर्कल टू सर्च और रियल-टाइम विज़ुअल बातचीत के लिए जेमिनी लाइव भी शामिल है। गैलेक्सी M17e 5G में 120H5 तक रिफ्रेश रेट वाला स्मूथ डिस्प्ले, लंबे इस्तेमाल के लिए 6000mAh बैटरी, अच्छी फोटो के लिए 50MP ड्यूअल कैमरा सिस्टम, गूगल सर्कल टू सर्च, बेहतर सुरक्षा के लिए सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, बेहतर प्राइवेसी के लिए ऑटो ब्लॉकर और लंबे समय की विश्वसनीयता के लिए छह ओएस अपग्रेड के साथ छह साल के सिक्योरिटी अपडेट दिए गए हैं।

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किए विज़न एआई से लैस नेक्स्ट-जेन मिनी एलईडी टीवी

गुरुग्रामः सैमसंग इस साल भारत में अपने 30 शानदार साल पूरे कर रहा है। इस मौके पर कंपनी ने अपनी नई मिनी एलईडी टीवी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। ये टीवी ज्यादा चमकदार और बेहतरीन तस्वीर तथा एआई-पावर्ड फीचर्स के साथ होम एंटरटेनमेंट को नए सिरे से परिभाषित करते हैं। सैमसंग मिनी एलईडी को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने के लिए डिजाइन किये हैं। 42,990 रुपये की शुरुआती कीमत से उपलब्ध सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी 43 इंच से लेकर 100 इंच तक के स्क्रीन साइज़ में आते हैं, जो हर तरह के ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। इनका मेटलस्ट्रीम डिज़ाइन विमान की बनावट से प्रेरित है, जो एक आकर्षक, अल्ट्रा-स्लिम बेज़ल वाली सिंगल-मेटल बॉडी के साथ किनारे से किनारे तक का शानदार व्यूइंग अनुभव देता है। उन्नत तकनीक, एआई फीचर्स और प्रीमियम डिज़ाइन के इस संयोजन के साथ सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी नेक्स्ट-जेन एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाते हैं। सैमसंग इंडिया के वाइस-प्रेसिडेंट, विजुअल डिस्प्ले बिजनेस, विप्लेश डांग ने कहा, सैमसंग लगातार 20 वर्षों से दुनिया का नंबर-1 टीवी ब्रांड है। हम अपने नए मिनी एलईडी टीवी के साथ प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहे हैं।

भारतीय स्टील सेक्टर ने पकड़ी आत्मनिर्भरता की रफ्तार

उत्पादन, निर्यात और ग्रीन स्टील मिशन से दुनिया में मजबूत हुई भारत की पहचान

भारत का स्टील क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्पादन क्षमता, घरेलू खपत, निर्यात और ग्रीन स्टील जैसे क्षेत्रों में लगातार प्रगति ने भारत को वैश्विक इस्पात उद्योग में मजबूत स्थिति दिलाई है। वर्ष 2018 से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक देश के रूप में कायम भारत अब विशेष स्टील (स्पेशलिटी स्टील) और हरित इस्पात उत्पादन में भी नई पहचान बना रहा है।

सरकार की नीतिगत सहायता, पीएलआई योजना, लॉजिस्टिक्स सुधार और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने वाली पहलें इस परिवर्तन की प्रमुख आधार बन रही हैं।

भारत की कच्चे स्टील उत्पादन में वैश्विक हिस्सेदारी 2014 में 5.2 प्रतिशत थी, जो 2024 में बढ़कर 7.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है। वहीं, देश में फिनिश्ड स्टील की खपत पिछले 12 वर्षों में दोगुने से अधिक बढ़कर 163.7 मिलियन टन हो गई है। विशेषज्ञ इसे देश में तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरीकरण और औद्योगिक विकास का संकेत मान रहे हैं।

2047 तक 500 मिलियन टन क्षमता का लक्ष्य- सरकार ने वर्ष 2047 तक 500

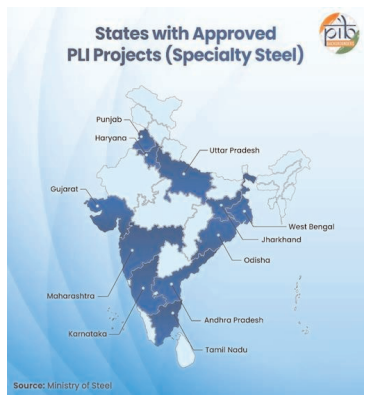

मिलियन टन स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। राष्ट्रीय स्टील नीति 2017 के तहत 2030-31 तक 300 मिलियन टन क्षमता और 255 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से लगभग 66 प्रतिशत लक्ष्य अभी ही हासिल किया जा चुका है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कच्चा स्टील उत्पादन 168.4 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में रिकॉर्ड वृद्धि मानी जा रही है। वहीं फिनिश्ड स्टील उत्पादन 160.9 मिलियन टन और खपत 163.7 मिलियन टन दर्ज की गई।

निर्यात बढ़ा, आयात घटा- भारतीय स्टील उद्योग की सबसे बड़ी उपलब्धियों में निर्यात वृद्धि और आयात में कमी को माना जा रहा है। मार्च 2026 में स्टील निर्यात में 29.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आयात 9.5 प्रतिशत घटा।

फिनिश्ड स्टील निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 35.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वियतनाम, बेल्जियम और ताइवान भारत के प्रमुख निर्यात बाजार बनकर उभरे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे विदेशी मुद्रा आय बढ़ने के साथ भारत की वैश्विक स्टील सप्लाई चेन में स्थिति मजबूत हुई है।

पीएलआई योजना से स्पेशलिटी स्टील को मिला बढ़ावा- सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना स्टील सेक्टर के लिए गेम चेंजर साबित हो रही है। स्पेशलिटी स्टील के लिए शुरू की गई योजना के तहत अब तक 23,022 करोड़ रुपये का निवेश साकार हुआ है।

इस योजना के माध्यम से:

* 24 लाख टन स्पेशलिटी स्टील उत्पादन
* 13 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार
* 24 मिलियन टन नई उत्पादन क्षमता
* 6 हजार करोड़ रुपये का आयात प्रतिस्थापन

जैसी उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

सरकार ने नवंबर 2025 में पीएलआई 1.2 चरण भी शुरू किया, जिसमें 55 कंपनियों की 85 परियोजनाओं के लिए समझौते किए गए हैं।

ग्रीन स्टील और नेट-जीरो पर फोकस- भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए स्टील उद्योग में डी-कार्बोनाइजेशन और ग्रीन स्टील उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भारत दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने ग्रीन स्टील टैक्सोनॉमी लागू की। इसके तहत ऐसे स्टील संयंत्रों को ग्रीन स्टील श्रेणी में रखा गया है, जिनका कार्बन उत्सर्जन प्रति टन फिनिश्ड स्टील पर 2.2 टन सीओ2 से कम है।

मार्च 2026 तक 89 स्टील इकाइयों को ग्रीन स्टील प्रमाणन दिया जा चुका है।

राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत स्टील सेक्टर में हाइड्रोजन आधारित तकनीकों पर पायलट परियोजनाएं शुरू की गई हैं। वहीं, कार्बन कैप्चर, उपयोग एवं भंडारण (छ्टस्) तकनीक को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट 2026-27 में 20 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान का प्रस्ताव रखा गया है।

भिलाई और नगरनार जैसे स्टील हब को मिलेगा फायदा

देश के प्रमुख स्टील जोन में भिलाई, रायपुर और नगरनार जैसे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल हैं। सरकार इन स्टील जोन में रेल, सड़क और बंदरगाह कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर लॉजिस्टिक्स परियोजनाएं चला रही है।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में एमएसएमई जोखिम सुरक्षा को किया मज़बूत; 8,500 से अधिक पॉलिसियों के साथ दर्ज की शानदार वृद्धि

टाटा एआईजी ने भारत में एमएसएमई क्षेत्र में 1400 करोड़ के प्रीमियम का आंकड़ा पार किया; छत्तीसगढ़ प्रमुख उभरते बाज़ारों में शामिल

रायपुरः भारत की एक अग्रणी जनरल इन्शुरन्स कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इन्शुरन्स कंपनी ने छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कमर कस ली है। रायपुर, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, छत्तीसगढ़ के एमएसएमई क्षेत्र के लिए जोखिम सुरक्षा को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

छत्तीसगढ़ में एमएसएमई क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है; यहाँ एग्री-स्टोरेज इकाइयों, राइस मिलों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 13.5 लाख उद्यम मौजूद हैं। इसी आर्थिक प्रगति का परिणाम है कि राज्य में अब जीएसटी करदाताओं की संख्या 1.5 लाख के आंकड़े को छू रही है।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में 8,500 से अधिक एसएमई पॉलिसियां जारी की हैं, जिसमें पिछले वर्ष 25त्न से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 में भारत के एमएसएमई क्षेत्र में ?1,400 करोड़ के प्रीमियम का ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया है, जिसमें छत्तीसगढ़ एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरा है।

इस विकास को और गति देने के लिए, टाटा एआईजी ने वित्त वर्ष 26 में छत्तीसगढ़ में एक डेडिकेटेड ज़ोन स्थापित कर अपनी उपस्थिति मज़बूत की है, जिसे विशेष एसएमई अंडरराइटर्स और क्लेम प्रोफेशनल्स ने समर्थन दिया है। इस निवेश का उद्देश्य क्षेत्र के व्यवसायों के लिए त्वरित जोखिम मूल्यांकन, कस्टमाइज्ड कवरेज समाधान और कुशल क्लेम सेवाएं सुनिश्चित करना है। वित्त वर्ष 26 में, कंपनी ने भारत में 7.5 लाख से अधिक एमएसएमई पॉलिसियां जारी कीं और अपने कमर्शियल पोर्टफोलियो के तहत ग्रुप हेल्थ, ग्रुप एक्सीडेंट और कर्मचारी कम्पेन्सेशन पॉलिसियों के माध्यम से 20 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रदान की।

छत्तीसगढ़ में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, जलवायु परिवर्तन और इलाज के बढ़ते खर्चों की वजह से आग लगने और कर्मचारियों की सेहत से जुड़े जोखिम बढ़ गए हैं। इन खतरों को देखते हुए अब ज्यादा से ज्यादा लोग और कंपनियां इंश्योरेंस का सहारा ले रही हैं।

जनता के द्वार पहुँचा प्रशासनः आरंग में सुशासन शिविर में हितग्राहियों को मिला त्वरित लाभ, आरंग में विशाल सुशासन शिविर सफलः 593 आवेदनों में कई का मौके पर निराकरण

हर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का लक्ष्य — मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

सुशासन शिविर में प्रमाण पत्र, सहायता राशि और योजनाओं का लाभ पाकर खिले हितग्राहियों के चेहरे

सुशासन का संकल्पः हर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का लक्ष्य - कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

सुशासन शिविर में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का सख्त संदेशः अधिकारियों को चेताया कहा फ्जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मूक पत्रिका/आरंग/रायपुर :- छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद आरंग द्वारा शासकीय अरुंधती देवी उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय परिसर में 'विशाल सुशासन शिविर' का सफल आयोजन किया गया। वार्ड क्रमांक 1 से 17 तक के नागरिकों के लिए आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुँचाना रहा।

प्रशासन जनता के द्वारः मंत्री का संबोधन- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के विजन को साझा किया। उन्होंने कहाः सुशासन तभी सार्थक होता है जब प्रशासन स्वयं जनता की समस्याओं को सुनने उनके द्वार तक पहुँचे। मुख्यमंत्री जी की स्पष्ट मंशा है कि विकास की रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और समस्याओं के त्वरित समाधान से हर चेहरे पर मुस्कान आए।÷

मंत्री जी ने प्रदेश में भयमुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। शिविर में प्राप्त कुछ शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

हितग्राहियों को तत्काल लाभ एवं सम्मान- शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गयाः दस्तावेज वितरणः जन्म, मृत्यु, विवाह, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों का मौके पर वितरण। आर्थिक सहायताः सड़क दुर्घटना सहायता राशि के तहत ?25,000 के चेक प्रदान किए गए।

योजनाओं का लाभः उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास (भवन अनुज्ञा), श्रम कार्ड, किसान किताब, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड का वितरण।

स्वास्थ्य एवं सहायताः दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र एवं टीबी मरीजों को पोषण आहार किट प्रदान की गई। प्रतिभा सम्मानः क्षेत्र के कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सुशासन तिहार में मंत्री दयालदास बघेल ने हितग्राहियों को सौंपी पक्के घर की चाबियाँ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत जनपद पंचायत बेमेतरा की ग्राम पंचायत सेमरिया में जनसमस्या निवारण शिविर एवं हितग्राही सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (क्करूड्ड-त्र) के अंतर्गत पूर्ण हुए आवासों का लोकार्पण एवं हितग्राहियों को घर की चाबियों का वितरण रहा। मंत्री श्री बघेल ने योजना के तहत अपना पक्का मकान निर्माण पूर्ण कर चुके चार हितग्राहियों को उनके नए घर की चाबियाँ एवं आवास पूर्णता प्रमाण पत्र सौंपे। अपने सपनों का घर पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

हर गरीब को पक्का घर देना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री बघेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हजारों गरीब परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि ÷सुशासन तिहार÷ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। इसका उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना और योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।जनसमस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

मंत्री श्री बघेल ने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कई आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देशों के साथ सौंपा गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखें तथा जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

ग्रामीणों में दिखा उत्साह, योजनाओं के प्रति बढ़ा विश्वास

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पंचायत स्तर पर आयोजित इस शिविर में लोगों ने शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। हितग्राहियों को पक्का मकान मिलने से गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जनपद पंचायत के अधिकारियों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम शासन और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करने वाला साबित हुआ।

पट्टे की जमीन पर घर बनाने पर रोक, गरीब परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के रहौद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत धरदेई से एक गरीब परिवार की पीड़ा सामने आई है। वर्षों से पट्टे की जमीन पर रह रहा यह परिवार आज खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को मजबूर है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों की शिकायत के बाद प्रशासन ने उनके निर्माणाधीन मकान पर रोक लगा दी, जिससे पूरा परिवार बेघर हो गया। पीड़ित राजकुमार रोहिदास ने बताया कि उनके परिवार के पास जमीन का पुराना पट्टा मौजूद है। इसी जमीन पर उनके पूर्वज कई वर्षों से कच्चे मकान में निवास कर रहे थे। पुराने और जर्जर मकान की हालत खराब होने पर परिवार ने मेहनत-मजदूरी कर उसे तोड़कर नया पक्का मकान बनाना शुरू किया था। निर्माण कार्य अभी प्रारंभिक चरण में ही था कि कुछ लोगों द्वारा की गई शिकायत के बाद प्रशासन ने काम रुकवा दिया। मकान निर्माण रुकने के बाद परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग तेज धूप, आंधी और बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। घरेलू सामान बाहर पड़ा हुआ है, जिससे परिवार को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का कहना है कि उनके नाम पर बिजली कनेक्शन और नियमित बिजली बिल भी जारी होता रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि वे लंबे समय से उसी स्थान पर निवासरत हैं।पीड़ित अंजू रोहिदास और जीवन लाल रोहिदास ने प्रशासन से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप करते हुए मकान निर्माण पुनः शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गरीब होने के कारण उनकी बात नहीं सुनी जा रही और वे न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। फिलहाल यह मामला रहौद तहसील कार्यालय में लंबित बताया जा रहा है। गांव में इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पीड़ित परिवार को राहत दिलाने और उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

'सही दवा-शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार' अभियान के तहत बेमेतरा जिले में व्यापक जांच अभियान

शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों, खाद्य प्रतिष्ठानों और फल दुकानों में हुई जांच

बेमेतरा/मूक पत्रिका

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेशव्यापी 15 दिवसीय विशेष अभियान ÷सही दवा-शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार÷ के तहत बेमेतरा जिले में व्यापक जांच एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ एवं औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम द्वारा जिलेभर में लगातार निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है।

औषधि प्रकोष्ठ की कार्यवाही

अभियान के अंतर्गत शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला में छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव, नशीली दवाओं के सेवन की रोकथाम, कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधान, एंटीमाइक्रोबियल रजिस्टेंस तथा खाद्य सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही जिले के शासकीय चिकित्सालयों में संचालित औषधि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दवाओं की गुणवत्ता की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से सिविल अस्पताल बेमेतरा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेरला में संचालित औषधि स्टोर्स का परीक्षण किया गया तथा संबंधित संचालकों को औषधि नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य प्रकोष्ठ की कार्यवाही

खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम द्वारा जिला चिकित्सालय में मरीजों एवं उनके परिजनों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच हेतु कैंटीन, पोषण पुनर्वास केन्द्र (हृक्रष्ट) के किचन एवं स्टोर रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने, उचित भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अभियान के तहत जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों जैसे किराना दुकान, ट्रेडिंग फर्म, गुपचुप-चाट सेंटर, मिठाई दुकान, रेस्टॉरेंट, होटल एवं ढाबों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों के विक्रय एवं भंडारण की जांच की गई तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न प्रतिष्ठानों से सोयाबड़ी, खड़ी मिक्स मसाला, चॉकलेट, फ्रूट ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा वॉटर एवं कुकड सॉस सहित कुल 06 खाद्य नमूने जांच हेतु लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

फल दुकानों एवं कोल्ड स्टोरेज का भी निरीक्षण

टीम द्वारा जिले की फल दुकानों एवं कोल्ड स्टोरेज चेम्बरों का निरीक्षण कर सड़े-गले फलों की छंटाई कराने तथा फलों को पकाने के लिए हानिकारक रसायनों का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए। खाद्य कारोबारियों को हैण्ड ग्लव्स, हेड कैप का उपयोग करने एवं स्वच्छ पेयजल के सुरक्षित भंडारण के संबंध में भी निर्देशित किया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई है कि किसी भी खाद्य पदार्थ का उपयोग करने से पहले उसकी निर्माण तिथि एवं अवसान तिथि की जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का ही उपयोग करें।

ग्राम कौड़िया के हितग्राहियों को मिला स्वामित्व प्रमाण पत्र, वर्षों की प्रतीक्षा हुई पूरी

सुशासन तिहार 2026 बना ग्रामीणों के लिए खुशियों का त्योहार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 आमजन के लिए राहत, विश्वास और खुशियों का माध्यम बनता जा रहा है। जिलेभर में आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुँचाया जा रहा है। इसी क्रम में नवागढ़ विकासखंड के ग्राम मोहतरा में आयोजित समाधान शिविर ग्राम कौड़िया के ग्रामीणों के लिए विशेष खुशी लेकर आया।शिविर में ग्राम कौड़िया के कई हितग्राहियों को राजस्व विभाग द्वारा आबादी पट्टा एवं स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वर्षों से अपने भूमि अधिकार दस्तावेज की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों को जब स्वामित्व प्रमाण पत्र मिला तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने इसे शासन की संवेदनशील पहल बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। समाधान शिविर में ग्राम कौड़िया के कमल पिता गप्पू, कुमार पिता मंगल, तारण पिता दुकलहा, विश्वसिंह पिता शिवप्रसाद एवं अश्वनी पिता हिरदे को स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने कहा कि लंबे समय से वे अपने भूमि संबंधी दस्तावेज की प्रतीक्षा कर रहे थे, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ।हितग्राहियों ने बताया कि स्वामित्व प्रमाण पत्र मिलने से अब उन्हें अपनी भूमि का वैधानिक अधिकार प्राप्त हो गया है, जिससे भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने, बैंक से ऋण प्राप्त करने एवं अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन की यह पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।ग्रामीणों ने कहा कि पहले छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शासन स्वयं गांव तक पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है और उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे लोगों का शासन एवं प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में लगातार समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। शासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में संतोष और उत्साह का वातावरण देखने को मिल रहा है

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 'अटूट आस्था के 1000 वर्ष' आयोजन हेतु बेमेतरा में नोडल अधिकारी नियुक्त

जिले में वर्षव्यापी राष्ट्रीय स्मरणोत्सव की गतिविधियों के प्रभावी संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन, संस्कृति विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ÷अटूट आस्था के 1000 वर्ष÷ कार्यक्रम के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बेमेतरा जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह राष्ट्रीय स्मरणोत्सव 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक वर्षभर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुँचाना तथा सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सहभागिता के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना है।

संस्कृति विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत जिले में कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के समन्वय और प्रभावी संचालन के लिए जिला पंचायत बेमेतरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।जारी आदेश में नोडल अधिकारी को जिले में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों के समन्वय, संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि शासन की मंशानुसार कार्यक्रमों का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। यह आयोजन सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक गौरव एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल चांपा में कक्षा पहली के प्रवेश की तिथि बढ़ी, 13 मई को लॉटरी

चांपा/मूक पत्रिका

स्वामी आत्मानंद विद्यालय चांपा में प्रवेश तिथि बढ़ी, 13 मई को होगी लॉटरी प्रक्रिया जांजगीर-चांपा। विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, चांपा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा पहली (अंग्रेजी माध्यम) की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि पहले 5 मई 2026 निर्धारित थी। शासन के निर्देशानुसार अब आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 मई 2026 कर दी गई है। जिन अभिभावकों ने अभी तक अपने बच्चों के प्रवेश हेतु आवेदन नहीं किया है, वे निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और पात्र अभ्यर्थियों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। लॉटरी प्रक्रिया 13 मई 2026 को प्रातः 10 बजे विद्यालय परिसर में अभिभावकों की उपस्थिति में संपन्न होगी।लॉटरी में चयनित विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश की प्रक्रिया 14 मई से 20 मई 2026 तक विद्यालय परिसर में की जाएगी। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथियों में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।

कलेक्टर ने घर-घर पहुंचकर देखा पानी की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन कार्यों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण करते हुए बलौदा विकासखंड के जूनाडीह और बुडगहन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था, पाइपलाइन नेटवर्क एवं ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर पेयजल आपूर्ति की स्थिति, नल कनेक्शन की उपलब्धता तथा नियमित जल वितरण की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का लाभ प्रत्येक घर तक समय पर और गुणवत्ता के साथ पहुंचे। निरीक्षण के दौरान बुड़गहन में ग्रामीणों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि गांव के मुख्य मार्ग के नीचे से गुजर रही पीव्हीसी पाइपलाइन भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाती है, जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित होती है और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री महोबे ने मौके पर उपस्थित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता को तत्काल स्थल निरीक्षण कर दीर्घकालीन एवं स्थायी समाधान हेतु कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्राथमिकता के साथ समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध हो सके। जल जीवन मिशन के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण हितग्राही श्रीमती सुकृता, सत्यनारायण एवं अन्य हितग्राहियों के घर पहुंच कर पेयजल व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने नल कनेक्शन, पानी की उपलब्धता एवं नियमित जल आपूर्ति से जुड़ी जानकारी साझा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और जल जीवन मिशन का लाभ प्रत्येक घर तक समय पर पहुंचे।

10वीं बोर्ड परीक्षा में बड़े मारेंगा की रीता बघेल ने लहराया सफलता का परचम

पवन कुमार नाग संभागीय ब्यूरो बस्तर/बस्तर जिले के ग्राम पंचायत बड़े मारेंगा की छात्रा रीता बघेल ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 92.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रीता के पिता अनिल बघेल हैं, जिन्होंने अपनी बेटी की सफलता पर खुशी जताई। रीता वर्तमान में तोकापाल हाईस्कूल में अध्ययनरत हैं और उन्होंने इसी विद्यालय से 9वीं एवं 10वीं की पढ़ाई पूरी की है।

रीता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पहली से आठवीं तक बड़े मारेंगा में प्राप्त की। मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के दम पर उन्होंने यह शानदार उपलब्धि हासिल की। रीता की इस सफलता से गांव और विद्यालय में खुशी का माहौल है। शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। रीता ने बताया कि आगे भी वे इसी तरह मेहनत कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।